दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

# असली आज़ादी

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | aslizadidainikofficial

■ वर्षः 21, अंकः 318 ■ दमण, मंगलवार 08, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु
■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट




## प्रधानमंत्री मोदी 8 सितंबर को गुजरात और महाराष्ट्र का दौरा करेंगे

■ प्रधानमंत्री वडोदरा में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, उनका उद्घाटन करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे ■ प्रधानमंत्री पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारे के तीन प्रमुख खंडों को राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जो परियोजना के पूरा होने का प्रतीक है ■ प्रधानमंत्री तीन रेलवे परियोजनाओं और तीन राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे ■ प्रधानमंत्री मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 का उद्घाटन करेंगे ■ जीएफएफ 2026 का विषय हैः ''प्रभाव डालने की क्षमताः एजेंटिक एआई, टोकनाइजेशन, क्वांटम ■ समावेशी वित्त के लिए विश्वसनीय, जुड़ी हुई, वैश्विक प्रणालियां''

पीआईबी, नई दिल्ली 07 सितंबर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार 8 सितंबर 2026 को गुजरात और महाराष्ट्र का दौरा करेंगे। दोपहर लगभग 12 बजे, प्रधानमंत्री वडोदरा में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वे इस अवसर पर सभा को संबोधित भी करेंगे। मंगलवार की शाम करीब 5:45 बजे प्रधानमंत्री मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 का उद्घाटन करेंगे और सभा को संबोधित भी करेंगे।

प्रधानमंत्री वडोदरा में प्रधानमंत्री पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारे (डब्ल्यूडीएफसी) के तीन महत्वपूर्ण खंडों को राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिनकी लंबाई 326 किलोमीटर है। इन तीनों खंडों को 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। इनमें सानंद (उत्तर)-मकरपुरा, न्यू उंबरगांव-न्यू सफाले और न्यू सफाले-जेएनपीटी खंड शामिल हैं। जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) की सीधी कनेक्टिविटी से आयात-निर्यात कार्गो की आवाजाही तेज होगी, औद्योगिक केंद्रों और बंदरगाहों के बीच संपर्क मजबूत होगा, लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी और मुंबई के रेलवे नेटवर्क पर भार कम करने में मदद मिलेगी। इन तीन खंडों के चालू होने के साथ ही, समर्पित माल ढुलाई गलियारा (डीएफसी) नेटवर्क अपनी पूरी लंबाई में पूरी तरह से कार्यरत हो जाएगा। समर्पित माल ढुलाई अवसंरचना बहुआयामी कनेक्टिविटी में सुधार करके, पारगमन समय को कम करके और विभिन्न क्षेत्रों में माल की सुगम आवाजाही को सुविधाजनक बनाकर देश के लॉजिस्टिक्स परितंत्र को और मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री मुंबई के न्यू सानंद (उत्तर), न्यू मकरपुरा, न्यू उंबरगांव और न्यू जेएनपीटी से मालगाड़ियों की सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके अतिरिक्त, वे वडोदरा और टांडा रोड के बीच एक नई ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाएंगे, जिससे वडोदरा, छोटा उदेपुर और अलीराजपुर जिलों के लोगों को लाभ होगा।

प्रधानमंत्री छोटा उदेपुर-धार परियोजना के अंतर्गत विकसित की गई जोबत-टांडा रोड नई रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह नई रेल लाइन अलीराजपुर के दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। प्रधानमंत्री 329 किलोमीटर लंबी और 9,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली तीन रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इनमें वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी लाइन, मियागाम करजन-चोरंडा-मलसर गेज रूपांतरण और विश्वमित्री-दभोई दोहरीकरण परियोजना शामिल हैं। इन परियोजनाओं से यात्री और माल ढुलाई क्षमता बढ़ेगी, यातायात जाम कम होगा और गुजरात तथा मध्य प्रदेश के बीच संपर्क मजबूत होगा। प्रधानमंत्री लगभग 1,780 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इनमें एनएच-48 के कामरेज-चलथान खंड का छह लेन का निर्माण; एनएच-48 के वडोदरा-सूरत खंड पर तापी और नर्मदा नदियों पर प्रमुख पुलों सहित अतिरिक्त संरचनाओं का निर्माण; और एनएच-53 पर अभवा, मिंधोला और खजोद जंक्शनों पर ग्रेड-सेपरेटेड संरचनाओं का निर्माण शामिल है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री एनएच-48 के वडोदरा-सूरत खंड पर सड़क सुरक्षा में सुधार और यातायात संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए कंदारी चौकड़ी और लुवारा पाटिया में छह लेन के फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री लगभग 2,600 करोड़ रुपये की गुजरात सरकार की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे। जिन प्रमुख परियोजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी उनमें वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण रिंग रोड चरण II, कडाना बांध पर 110 मेगावाट की फ्लोटिंग सोलर परियोजना, वडोदरा नगर निगम के नए कार्यालय का निर्माण आदि शामिल हैं। उद्घाटन की जाने वाली परियोजनाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत आवास परियोजनाएं और पूर्वी वडोदरा के 11 गांवों के लिए जल आपूर्ति परियोजना आदि शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मुंबई में प्रधानमंत्री विश्व के सबसे बड़े और सबसे प्रभावशाली वार्षिक फिनटेक सम्मेलनों में से एक, ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 का उद्घाटन करेंगे। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का सातवां संस्करण 8 से 11 सितंबर 2026 तक मुंबई में आयोजित किया जा रहा है। 2020 से, जीएफएफ एक अंतरराष्ट्रीय विचार नेतृत्व मंच के रूप में उभरा है जो नीति निर्माताओं, नियामकों, केंद्रीय बैंकों, वित्तीय संस्थानों, फिनटेक कंपनियों, प्रौद्योगिकी कंपनियों, निवेशकों, शिक्षाविदों और अन्य वैश्विक हितधारकों को वित्त के भविष्य को आकार देने पर विचार-विमर्श करने के लिए आपस में जोड़ता है। जीएफएफ 2026 का विषय है प्रभाव डालने की क्षमताः एजेंटिक एआई, टोकनाइजेशन, क्वांटम - समावेशी वित्त के लिए विश्वसनीय, जुड़ी हुई, वैश्विक प्रणालियां। जीएफएफ 2026 को नीति, विनियमन, प्रौद्योगिकी, पूंजी और उद्योग के लिए एक साझा मंच के रूप में तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन में भारत के नेतृत्व को और मजबूत करना तथा संभावनाओं को वास्तविक प्रभाव में बदलना है। चर्चाओं में इस बात पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा कि एजेंटिक एआई, प्रोग्रामेबल फाइनेंस, क्वांटम टेक्नोलॉजी और अन्य महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियां किस प्रकार वैश्विक स्तर पर नागरिकों, उद्यमों और अर्थव्यवस्थाओं के लिए विश्वसनीय, समावेशी और मापने योग्य परिणाम उत्पन्न कर सकती हैं।

**केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने गोवा-पणजी में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक की अध्यक्षता की**

## पश्चिमी क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण और देश का सबसे बड़ा आर्थिक, औद्योगिक और वित्तीय केंद्र हैः गृह मंत्री अमित शाह

**गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस और दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव के प्रशासक श्री प्रफुल के. पटेल, भारत सरकार और राज्य सरकारों/ संघ राज्यक्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने परिषद की बैठक में भाग लिया**

**गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बैठक में कही गई बातों के मुख्य अंशः** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2014 से लगातार बहुत सारे प्रशासनिक सुधारों के साथ देश के अर्थतंत्र को गति दी है ■ W से wealth और finance, E से export और ports, S से startups और semiconductor, T से tourism और blue economy में देश में सबसे बड़ा हिस्सा पश्चिमी क्षेत्र का है ■ 12 साल में मोदी जी ने संविधान के सहकारी संघवाद के प्रावधान को चरितार्थ किया है ■ मोदी जी के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषदें विकास व जनकल्याण के कामों में आगे बढ़ रही हैं और बैठकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है ■ 2004-14 के दौरान क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की कुल 25 बैठकें हुईं, वर्ष 2014 से अब तक क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की कुल 71 बैठकें हुई हैं, जो लगभग तीन गुना वृद्धि है ■ बैठको की संख्या में लगभग तीन गुना वृद्धि प्रधानमंत्री मोदी जी के टीम इंडिया के कॉसेप्ट का उत्कृष्ट उदाहरण है ■ इन बैठकों में 1893 मुद्दों पर चर्चा हुई और उनमें से 1445 मुद्दों का समाधान हुआ है, जो इन बैठकों की कार्यात्मकता और प्रभावशीलता का द्योतक है ■ क्षेत्रीय परिषदें अब dispute resolution की जगह जनकल्याण की योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग का साधन बन गई हैं ■ पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों के बीच अब कोई भी विवाद नहीं बचा है, यह एक बड़ी उपलब्धि है ■ नवीन न्याय संहिताओं के क्रियान्वयन और नशे के खिलाफ भारत की जंग को सफल करने के काम में भी पश्चिमी क्षेत्र को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए ■ सभी राज्यों के अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों को CFCFRMS से जुड़ना चाहिए






पीआईबी, नई दिल्ली 07 सितंबर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गोवा की राजधानी पणजी में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडणवीस और दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव के प्रशासक श्री प्रफुल के. पटेल शामिल थे। भारत सरकार और राज्य सरकारों/ संघ राज्यक्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी परिषद की बैठक में भाग लिया। अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि उन्नत पर्यटन, उच्च प्रति व्यक्ति आय और खदानों के कारण आर्थिक विकास में अपनी भौगोलिक स्थिति से कहीं अधिक योगदान गोवा का है। उन्होंने कहा कि हाल ही में देश ने वित्तीय वर्ष 2026-2027 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की विकास वृद्धि दर दर्ज की है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अशांति के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था द्वारा इस प्रकार की विकास दर दर्ज करना हम सबके लिए गौरव का विषय है। श्री शाह ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र कई दृष्टिकोणों से अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह क्षेत्र देश का सबसे बड़ा आर्थिक, औद्योगिक और वित्तीय केंद्र है। श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2014 से लगातार बहुत सारे प्रशासनिक सुधारों के साथ देश के अर्थतंत्र को द्रुत गति से चलने वाला अर्थतंत्र बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि दमन और दीव और दादरा और नगर हवेली और पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद के तीनों राज्यों का भी 7.8 प्रतिशत की विकास दर को हासिल करने में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र को देश के आर्थिक विकास के WEST Engine के रूप में जाना जाता है। W से wealth और finance इसी क्षेत्र से सृजित होते हैं, E से export और ports, S से startups और semiconductor, T से tourism और blue economy में देश में सबसे बड़ा हिस्सा पश्चिमी क्षेत्र का है। गोवा में 1 करोड़ से अधिक टूरिस्ट आते हैं और उनमें 5 लाख विदेशी टूरिस्ट होते हैं। गोवा की GSDP में 16 प्रतिशत आय पर्यटन क्षेत्र से आती है। महाराष्ट्र 33,872 स्टार्ट अप के साथ देश में पहले स्थान पर है, धोलेरा अब सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में हब बन चुका है। गुजरात का मुंदरा पोर्ट सबसे अधिक कार्गो हैंडल करता है और दीन दयाल पोर्ट कार्गो की मात्रा की दृष्टि से सबसे बड़ा पोर्ट है। देश की वित्तीय राजधानी मुंबई भी वैश्विक पूंजी के लिए बहुत बड़ा हब बनकर उभर रही है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 12 साल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमारे संविधान के सहकारी संघवाद के प्रावधान को चरितार्थ करने का काम किया है। श्री नरेन्द्न मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद क्षेत्रीय परिषद की बैठकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने बताया कि 2004 से 2014 के दौरान क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की बैठकों की कुल संख्या मात्र 25 थी, लेकिन वर्ष 2014 से अबतक क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की कुल 71 बैठकें हुई हैं, जो लगभग तीन गुना वृद्धि है। उन्होंने कहा कि बैठको की संख्या में लगभग तीन गुना वृद्धि प्रधानमंत्री मोदी जी के टीम इंडिया के कॉसेप्ट का उत्कृष्ट उदाहरण है। इन बैठकों में 1893 मुद्दों पर चर्चा हुई और उनमें से 1445 मुद्दों का समाधान हुआ है। यह परिणाम इन बैठकों की कार्यात्मकता और प्रभावशीलता का द्योतक है। यह सभी राज्य सरकारों, संघ राज्यक्षेत्रों तथा केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के सहयोग से हो सका है और इसमें अंतर-राज्य परिषद सचिवालय सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

श्री अमित शाह ने कहा कि क्षेत्रीय परिषद अब dispute resolution की जगह जनकल्याण की योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग का साधन बन गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों के बीच अब कोई भी विवाद नहीं बचा है, यह एक बड़ी उपलब्धि है। श्री शाह ने यह भी कहा कि आज की बैठक में शामिल सभी मुद्दे मॉनीटरिंग के थे। राज्यों के बीच नदियों के कई विवाद भी क्षेत्रीय परिषद में हल किए गए हैं, बच्चों के कुपोषण, कम वज़न और ठिंगनापन पर भी हम क्षेत्रीय परिषदों में काम कर रहे हैं। आधार के पेनेट्रेशन को भी मॉनीटर कर रहे हैं और आयुष्मान भारत कार्ड को सफल करने के लिए भी यहां से मॉनिटरिंग कर रहे हैं। नवीन न्याय संहिताओं के क्रियान्वयन और नशे के खिलाफ भारत की जंग को सफल करने के काम में भी पश्चिमी क्षेत्र को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) के कंप्यूटराइज़ेशन में भी महाराष्ट्र में 98 प्रतिशत और गुजरात में 92 प्रतिशत की दर से अच्छा काम हुआ है। उन्होंने कहा कि बनास डेयरी ने गोबरधन का जो मॉडल खड़ा किया है, उसे भी राज्य अपनाएं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी साइबर अपराधों के खिलाफ रणनीति को लगातार PRAGATI में मॉनीटर कर रहे हैं। सभी राज्यों के अर्बन कोऑपरेटिव बैंक FCFRS से जुड़ जाएं। म्यूल हंटर एआई से एकीकृत करने के लिए कोऑपरेटिव बैंकों को प्रेरित करने की ज़रूरत है। सभी सहकारी बैंक क्4उ से जुड़ जाएँ, इसके लिए भी हमें आगे बढ़ना होगा। अगले 2 साल में गृह मंत्रालय तटीय सुरक्षा के लिए बहुत गंभीरता से आगे आएगा। श्री अमित शाह ने कहा कि ग्रीन ऊर्जा में भी पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद के चारों राज्य भारत का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत सरकार ने डेटा सेंटर के लिए एक बहुत ल्यूक्रेटिव पॉलिसी बनाई है, इसका अधिकतम फायदा उठाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषदें विकास और जनकल्याण के कामों में आगे बढ़ रही हैं। पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक में सदस्य राज्यों के साथ-साथ देश के लिए भी कई अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई जिसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ दुष्कर्म के मामलों की त्वरित जांच और इसके शीघ्र निपटान के लिए फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों का कार्यान्वयन, आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली से सम्बंधित मुद्दे(ERSS-112), खाद्य सुरक्षा मानकों से संबंधित मुद्दा, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा प्रत्येक गांव के नियत दायरे में ब्रिक-एण्ड-मोर्टार बैंकिंग की सुविधा, रेल विकास परियोजना से सम्बंधित मुद्दा, पर्यावरण मंजूरी के मुद्दे आदि शामिल थे। इसके अलावा राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी चर्चा हुई जिसमें - शहरी मास्टर प्लानिंग, विद्युत प्रदाय व्यवस्था से सम्बंधित मुद्दा, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACSs) को मजबूत करना, पोषण अभियान के माध्यम से बच्चों में कुपोषण को दूर करना, स्कूली बच्चों की स्कूल छोड़ने की दर को कम करना, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में सार्वजनिक अस्पतालों की भागीदारी; साइबर अपराध और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर से संबंधित मुद्दे आदि शामिल थे।

## फर्जी दस्तावेज से 20 विदेशियों के पासपोर्ट जारी, विदेश मंत्रालय में हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विदेशी नागरिकों के भारतीय पासपोर्ट हासिल करने का मामला सामने आने से विदेश मंत्रालय में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पासपोर्ट पोर्टल के माध्यम से करीब 20 विदेशियों के नाम पर भारतीय पासपोर्ट जारी किए गए। मामले ने ऑनलाइन सत्यापन और दस्तावेज जांच की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच एजेंसियों को आशंका है कि गिरोह ने फर्जी पहचान, पते और अन्य दस्तावेजों का इस्तेमाल कर आवेदकों को भारतीय नागरिक के रूप में प्रस्तुत किया। इसके बाद पासपोर्ट आवेदन प्रक्रिया में इन दस्तावेजों को पोर्टल पर अपलोड कर पासपोर्ट हासिल किए गए। अब यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है, दस्तावेजों की जांच के दौरान किस स्तर पर चूक हुई। कहीं कर्मचारियों या बिचौलियों की मिलीभगत तो नहीं थी। विदेश मंत्रालय और संबंधित एजेंसियां जारी पासपोर्टों की जानकारी खंगाल रही हैं। हाल में बांग्लादेश के 20 नागरिकों के फर्जी पासपोर्ट जारी हुए हैं। जानकारी का खुलासा होने के बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक को मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। डबरा के एक ही पते पर 20 बांग्लादेशी पासपोर्ट बनने का मामला सामने आया है। इन पासपोर्ट के जरिए विदेश यात्रा या अन्य गतिविधियों में तो नहीं हुआ, इसकी भी जांच की जा रही है। मंत्रालय की ओर से पासपोर्ट प्रक्रिया में सुरक्षा जांच और डिजिटल सत्यापन को और मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है।

## शिमला की मस्जिद में निकला अवैध निर्माण, आयुक्त कोर्ट ने दिए दीवार गिराने का आदेश

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के शिमला के संजौली में मस्जिद को लेकर खूब विवाद हुआ था और बाद में इस मस्जिद को अवैध करार दिया था। मामले में फिर मस्जिद को गिराने का भी काम भी शुरू हो गया था। ऐसे में अब शहर में एक और मस्जिद में निर्माण अवैध निकला है और इस पर भी बुलडोजर चलाने के आदेश दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक शिमला शहर के बालूगंज में मस्जिद परिसर में कथित अवैध निर्माण के मामले में नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने दीवार गिराने के आदेश दिए हैं। आयुक्त की कोर्ट ने 2013 से चल रहे मामले की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। नगर निगम के मुताबिक पुराने शौचालयों की दीवार को बिना अनुमति दोबारा बनाया गया था और नई दीवार पुरानी सीमा से करीब डेढ़ से दो फीट बाहर थी। मस्जिद पक्ष ने निर्माण को सुविधा के लिए किया गया बताते हुए जमीन पर अपना अधिकार होने का तर्क दिया था। शनिवार को आयुक्त कोर्ट ने अवैध निर्माण से जुड़े 20 मामलों में से छह पर फैसला सुनाया। इनमें बालूगंज मस्जिद के अलावा न्यू शिमला, खलीनी, पंथाघाटी और फ्लावरडेल के मामले भी शामिल हैं। वहीं, हिंदू संगठन देवभूमि संघर्ष समिति के पदाधिकारी ने मस्जिद मामले को लेकर मोर्चा खोल दिया है और उनका कहना है कि हिन्दू संगठनों ने पहले भी इस मामले को उठाया था ना केवल बालूगंज बल्कि शिमला में बहुत सी ऐसी मस्जिदें हैं जो अवैध रूप से बनाई गई हैं। मस्जिद कमेटी इस मामले को जिला अदालत में ले जाएगी या मस्जिद की दिवार गिराई जाएगी फिलहाल यह कार्रवाई केवल संबंधित दीवार/निर्माण को हटाने तक सीमित है, पूरी मस्जिद को गिराने का कोई आदेश नहीं है।

## भीषण तूफान का अलर्ट : 24 राज्यों में भारी बारिश, आंधी और वज्रपात की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग ने देश के 24 राज्यों में भारी बारिश, तेज आंधी और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है, इसके बाद लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। मानसून की रफ्तार फिर तेज हो गई है और देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज अचानक बिगड़ने वाला है। चेतावनी में कहा गया है कि कई इलाकों में 40 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है, साथ ही बिजली गिरने और ओलावृष्टि की भी संभावना है। दिल्ली में भारी बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम का असर व्यापक रहने वाला है, जहां मेरठ, मुजफ्फरनगर, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, कानपुर, बहराइच, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, इटावा और अयोध्या समेत कई जिलों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी है। इसी तरह, बिहार में पटना, गया, जहानाबाद, भोजपुर, गोपालगंज, बक्सर, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, भागलपुर और मुंगेर में तेज बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ी राज्यों में खतरा और बढ़ सकता है। उत्तराखंड के बागेश्वर, हरिद्वार, नैनीताल, चंपावत, पिथौरागढ़, पौड़ी, टिहरी और चमोली में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। बारिश के दौरान पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा भी बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के भी कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, अनंतनाग, जम्मू, बारामुल्ला समेत कई इलाकों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी दी गई है। वहीं राजस्थान के जैसलमेर, जयपुर, झुंझुनू, सीकर, चूरू, अजमेर, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर और भरतपुर सहित कई जिलों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है, जहां हवाओं की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

# मुझे बदनाम और फिर पंजाब को लूटने का मौका तलाश रहा विपक्ष: सीएम मान

### -अकाली दल सत्ता में लौटने के लिए बीजेपी से गठबंधन की भीख मांग रहा

**बठिंडा, एजेंसी।**
पंजाब के सीएम भगवंत मान ने विपक्षी नेताओं पर उन्हें बदनाम करने की कोशिश करने और ''सालों तक अपना खजाना भरने के बाद एक बार फिर पंजाब को लूटने'' का मौका तलाशने का आरोप लगाया है। बठिंडा के घुड्डा गांव में 'लोक मिलनी' कार्यक्रम में उन्होंने दावा किया कि विपक्ष इस बात से परेशान है कि उनकी सरकार लोगों के कल्याण पर पैसा खर्च कर रही है। बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) पर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा कि दोनों पूर्व सहयोगी एक बार फिर गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं।
उन्होंने कहा कि कुछ नेता ''मोदी कोटे'' से हैं और कुछ ''राहुल गांधी कोटे'' से, जबकि वह अकेले ''जनता के कोटे'' से हैं। सीएम मान ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों का पंजाब और उसके लोगों के खिलाफ काम करने का ''संदिग्ध रिकॉर्ड'' रहा है और उनके कृत्यों को कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, सतलुज यमुना लिंक नहर, हरिके नहर, गणतंत्र दिवस की झांकियों, ग्रामीण विकास कोष और सीमावर्ती क्षेत्र के कोष जैसे मुद्दों पर बीजेपी ने हमेशा पंजाब के साथ अन्याय किया है।
सीएम मान ने आरोप लगाया कि ''काले कृषि कानूनों'' के खिलाफ प्रदर्शन में शहीद हुए पंजाब के 700 से ज्यादा किसानों के खून से बीजेपी के हाथ रंगे हुए हैं और पंजाब की जनता इसे कभी नहीं भूलेगी। कांग्रेस के रिकॉर्ड की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि इसी पार्टी ने श्री अकाल तख्त साहिब में टैंक भेजे थे। मान ने आरोप लगाया कि पंजाब में सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में फैले नशे के खतरे को रोकने के लिए कुछ नहीं किया और बेअदबी की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने में भी विफल रही।
शिअद पर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा कि अकाली दल सत्ता में लौटने के लिए बीजेपी के साथ गठबंधन की ''भीख मांग रहा है'' और इस गठबंधन के पीछे न कोई विचारधारा है, न पंजाब के लिए दृष्टिकोण और न ही लोगों की चिंता। शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर कटाक्ष करते हुए मान ने दावा किया कि वह जीवनभर सुख-सुविधाओं से घिरे सुरक्षित माहौल में रहे हैं और पंजाब की जमीनी हकीकत नहीं समझते। उन्होंने कहा कि बादल को राज्य की बुनियादी भौगोलिक जानकारी तक नहीं है और किसानों की समस्याओं की भी उन्हें बहुत कम जानकारी है। कांग्रेस में ''अंदरूनी कलह'' पर तंज कसते हुए मान ने कहा कि कांग्रेस नेता सत्ता के लिए आपस में लड़ रहे हैं, जबकि राज्य सरकार लोगों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है।

## हवा में तेल खत्म होने से बची सैकड़ों जिंदगियां, विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

कोच्चि (एजेंसी)। आसमान में सोमवार को बड़ा हादसा टल गया, जब कोच्चि से अबू धाबी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में अचानक तेल का दबाव कम होने लगा। 36,000 फीट की ऊंचाई पर करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद क्रू ने इंजन 1 में तेल की मात्रा तेजी से घटते देखी और उसकी सप्लाई रोक दी। खतरे को भांपते हुए क्रू ने तकनीकी प्रोटोकॉल का पालन कर विमान को वापस कोच्चि लाने का निर्णय लिया।
मिली जानकारी के अनुसार, बोइंग 737 विमान को सुरक्षित कोच्चि हवाई अड्डे पर उतार लिया गया और सभी यात्री सुरक्षित हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस या एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से घटना पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। विमान की जांच शुरू कर दी गई है और विमान ने दोबारा उड़ान नहीं भरी है। अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि तेल संबंधी यह समस्या क्यों आई और इसका जिम्मेदार कौन है। यह पहला मौका नहीं है, जब एयर इंडिया एक्सप्रेस के किसी विमान में ऐसी तकनीकी दिक्कत आई हो। हाल ही में वाराणसी से दिल्ली आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक और उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा था। विमान के कार्गो कंपार्टमेंट में धुएं की चेतावनी मिलने के बाद यह फैसला लिया था। हालांकि, लखनऊ में भी विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई और बाद में वैकल्पिक विमान से यात्रियों को दिल्ली भेजा गया था। इन लगातार सामने आ रही तकनीकी समस्याओं ने विमानन सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

## भारत जोड़ो यात्रा को 4 साल पूरे: कांग्रेस ने बताया राजनीति का परिवर्तनकारी मोड़

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत को देश की समकालीन राजनीति में एक परिवर्तनकारी घटना बताया है, जिसने राष्ट्र में नई उम्मीद और नया संकल्प पैदा किया। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने ऐतिहासिक पदयात्रा 7 सितंबर, 2022 को कन्याकुमारी से शुरू की थी, जिसका समापन 30 जनवरी, 2023 को श्रीनगर में एक रैली के साथ हुआ। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने पदयात्रा को एक निर्णायक मोड़ बताया, जिसने देश में नई ऊर्जा और संकल्प का संचार किया। राहुल गांधी के नेतृत्व में, यह यात्रा 145 दिनों में 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर 4,080 किलोमीटर की दूरी तय कर श्रीनगर पहुंची थी। इसमें राहुल गांधी के साथ करीब 120 अन्य भारत यात्री भी शामिल हुए थे। कांग्रेस पार्टी के अनुसार, लाखों भारतीयों ने पदयात्रा को अपना समर्थन और सहयोग दिया, जो बढ़ती आर्थिक असमानताओं, सामाजिक ध्रुवीकरण और बढ़ते राजनीतिक अधिनायकवाद से चिंतित थे। कांग्रेस नेता रमेश ने स्पष्ट किया कि यात्रा का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा संवैधानिक सिद्धांतों पर हो रहे व्यवस्थित हमले को वैचारिक चुनौती देना था। उन्होंने जोर दिया कि यात्रा का लक्ष्य मन की बात कहना नहीं, बल्कि जनता की चिंता सुनना था।

## डॉक्टरों पर हमला करने वाले नेताओं को तुरंत हिरासत में लो: सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों पर लगातार बढ़ते हमलों पर गहरी चिंता जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को कड़ा निर्देश देकर कहा कि डॉक्टरों के साथ मारपीट करने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं को तुरंत हिरासत में लें और उन्हें खुले में घूमने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। यह सख्त टिप्पणी शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे की याचिका पर सुनवाई के दौरान आई।
शीर्ष न्यायालय कल्याण के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों पर हुए हमले के मामले में म्हात्रे की जमानत शर्तों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। हालांकि, उनके वकील मुकुल रोहतगी ने बाद में अपनी याचिका वापस ले ली। महाराष्ट्र सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि उसने म्हात्रे की जमानत रद्द करने की मांग की है। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को तय की गई है, जिसके लिए अदालत ने नोटिस जारी किया है।
सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से ठीक एक दिन पहले, पालघर जिले में भी एक अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर मारपीट की घटना सामने आई थी। आरोप है कि दही हांडी उत्सव के दौरान घायल एक व्यक्ति को अस्पताल से छुट्टी देने को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के कुछ पदाधिकारियों ने अस्पताल में हंगामा कर मारपीट की। सीसीटीवी फुटेज में व्यक्ति को अस्पताल की रिसेप्शनिस्ट को थप्पड़ मारते हुए भी देखा गया, जब रिसेप्शनिस्ट ने बीच-बचाव की कोशिश की थी। इस मामले में पालघर पुलिस ने कम से कम 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसमें शिंदे गुट के कुछ सदस्य भी शामिल हैं।
गौरतलब है कि 6 जुलाई को ठाणे के शास्त्रीनगर अस्पताल, कल्याण में इस तरह की घटना हुई थी। शिवसेना (शिंदे गुट) के कॉर्पोरेटर म्हात्रे ने अपने साथियों के साथ अस्पताल में प्रवेश कर एक गर्भवती महिला के इलाज और एनआईसीयू बेड न मिलने को लेकर हुए विवाद के बाद महिला डॉक्टर सहित तीन डॉक्टरों और स्टाफ पर हमला किया था। यह घटना महाराष्ट्र में स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति को उजागर करती है, जिस पर अब सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है।

## सुपौल हॉस्टल में 8 वर्षीय छात्र की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सुपौल (एजेंसी)। सुपौल के गौरवगढ़ वार्ड नंबर-6 स्थित निजी स्कूल के हॉस्टल में बीते रविवार को आठ वर्षीय छात्र प्रियांशु की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई। इस घटना के बाद मृतक छात्र के परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि, मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, भोजन के बाद हॉस्टल के दो अन्य बच्चों ने प्रियांशु को स्कूल की छत पर अचेत अवस्था में पाया। उसके गले में गमछा और बेल्ट बंधी हुई थी, जो घटना को और भी रहस्यमय बना रही है। बच्चों ने तुरंत गार्ड को इसकी सूचना दी, जिसने आगे स्कूल संचालक संतोष कुमार को बताया। आनन-फानन में संचालक कुछ सहयोगियों के साथ बच्चे को एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। प्रियांशु की मौत की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और उन्होंने चीख-चीखकर हत्या बताया। उनका आरोप है कि प्रियांशु के गले में फंदा लगाकर उसकी जान ली गई है और उन्हें घटना की जानकारी देने में भी कई घंटों की जानबूझकर देरी की गई। हालांकि, इन गंभीर आरोपों पर स्कूल की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। घटना की सूचना पर पुलिस और एसडीपीओ तत्काल अस्पताल पहुंचे और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने घटनास्थल, स्कूल परिसर और हॉस्टल में बच्चों की निगरानी-व्यवस्था से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है, ताकि मौत की असल वजह और परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

## संदिग्ध ड्रोन दिखने के बाद अमृतसर एयरपोर्ट आया हाई अलर्ट पर

### -रात करीब 10 बजे मची हलचल, 7 उड़ानों का बदला गया रूट

**अमृतसर, एजेंसी।**
पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु राम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार रात संदिग्ध ड्रोन गतिविधि सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट के अति-संवेदनशील ऑपरेशनल एरिया और रनवे के आसपास दो से चार संदिग्ध ड्रोन मंडराते हुए देखे गए। घटना की जानकारी मिलते ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने सुरक्षा के मद्देनजर हाई अलर्ट जारी कर दिया। एहतियाती कदम के तौर पर सात उड़ानों के रूट में बदलाव किया गया।
प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संदिग्ध ड्रोन राजाला गांव की दिशा से एयरपोर्ट की ओर आते हुए दिखाई दिए। कुछ मिनट तक ये ड्रोन रनवे और आसपास के संवेदनशील इलाकों के ऊपर मंडराते रहे। एयरपोर्ट जैसे अति-संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह की गतिविधि को हवाई यातायात की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा माना जाता है।
घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और संदिग्ध ड्रोन की गतिविधियों पर नजर रखी गई। हालांकि, शुरुआती जानकारी में यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ड्रोन किसने और किस उद्देश्य से उड़ाए थे। मामले की जांच के साथ एयरपोर्ट के आसपास सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई।

**पाकिस्तान सीमा के बेहद करीब है अमृतसर एयरपोर्ट**

श्री गुरु राम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट अमृतसर शहर से करीब 11 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में राजा सांसी क्षेत्र में स्थित है। यह पंजाब का प्रमुख और व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। एयरपोर्ट का नाम सिखों के चौथे गुरु और अमृतसर के संस्थापक गुरु राम दास के नाम पर रखा गया है। इस एयरपोर्ट की भौगोलिक स्थिति सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यह भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा से हवाई दूरी के हिसाब से 30 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित है। ऐसे में एयरपोर्ट के आसपास किसी भी संदिग्ध ड्रोन गतिविधि को सुरक्षा एजेंसियां विशेष गंभीरता से लेती हैं।

**एलओसी के पास भी दिखे थे संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन**

यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब जम्मू-कश्मीर में भी सीमा के पास संदिग्ध ड्रोन गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। सूत्रों के मुताबिक, अगस्त में राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में रुमलिधारा इलाके के पास तीन संदिग्ध ड्रोन भारतीय हवाई क्षेत्र में दाखिल हुए थे। सुबह करीब 8.05 बजे ड्रोन दिखाई देने के बाद 22वीं जम्मू-कश्मीर राइफल्स के जवानों ने तत्काल कार्रवाई की और काउंटर-ड्रोन सिस्टम सक्रिय कर दिया। सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद तीनों ड्रोन वापस सीमा पार लौट गए। इसके बाद एहतियात के तौर पर एलओसी के आसपास सर्च ऑपरेशन चलाया गया था।

## बंगाल में दुर्गा पूजा में प्रतिमा के पास मांसाहारी खाना नहीं बिकना चाहिए

### -बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के बयान से पश्चिम बंगाल में मचा घमासान

**कोलकाता, एजेंसी।**
धीरेंद्र शास्त्री के बयान से पश्चिम बंगाल में बड़ा घमासान शुरू हो गया है। धीरेंद्र शास्त्री हाल ही में बंगाल पहुंचे थे। यहां उन्होंने एक जनसभा में बंगाल के लोगों से अपील की है कि इस साल दुर्गा पूजा में दुर्गा माता की प्रतिमा के पास मांसाहारी खाना नहीं बिकना चाहिए। अब उनके बयान से बहस शुरू हो गई है। धीरेंद्र शास्त्री का यह बयान दुर्गा पूजा उत्सव से ठीक पहले आया है। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान मूर्तियों के पास मांसाहारी भोजन की बिक्री नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हिंदुओं से अपील की कि वे नवरात्रि के दौरान नियमों का पालन करें।
धीरेंद्र शास्त्री ने लव जिहाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस बार की नवरात्रि में तुम दुर्गा पूजा करना या न करना, लेकिन एक काम जरूर करना। पश्चिम बंगाल को लव जिहाद मुक्त जरूर कर देना।ज तुम प्रण लेना कि प्रतिमा के मां के दर्शन करना। धीरेंद्र शास्त्री ने इस दौरान स्वरा भास्कर के जौहर को लेकर दिए गए बयान की भी आलोचना की। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि जौहर को कायरता कहने वाले लोग धर्म को जानते ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एक महिला हैं। उसने रानी पद्मावती पर बयान दिया। उसने जौहर पर बयान दिया कि जौहर कायरता है। ये कायरता नहीं, वीरता है। अपने पति के प्रति वो अर्पण है। तुम क्या जानो जौहर को। तुम क्या जानो संस्कृति को। धर्म विरुद्ध लोग तुम जान भी नहीं सकते। जो भैया को सैया बना लेते हैं वो क्या जाने जौहर को।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब धीरेंद्र शास्त्री की इस अपील के बाद राज्य में नई बहस शुरू हो गई है। दरअसल बंगाल में पूजा पंडालों के बाहर नॉन वेज बिकने की परंपरा बहुत पुरानी है। लोग उसे देवी मां के प्रसाद के रूप में खाते भी हैं। अब बंगाल के लोग इसे सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान और खान-पान की परंपराओं पर रोक मान रहे है। लोगों का कहना है कि बंगाल में दुर्गा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि एक बड़ा सांस्कृतिक उत्सव भी है और खान-पान इस उत्सव का एक अहम हिस्सा है। उनका तर्क है कि खान-पान को लेकर कोई नियम जबरन नहीं थोपा जाना चाहिए।

## सीएम विजय की डीएमके को चेतावनी: महिलाओं के अपमान और भ्रष्टाचार पर नहीं होगी नरमी

**चेन्नई, एजेंसी।**
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने विपक्षी पार्टी डीएमके पर कड़ा प्रहार कर चेतावनी दी कि महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। पुलिस विभाग के लिए अनुदान की मांग पर विधानसभा में हुई बहस के जवाब में, मुख्यमंत्री विजय ने डीएमके पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया, साथ ही पार्टी के उन पदाधिकारियों की आलोचना की जिन्होंने कथित तौर पर उन लोगों के खिलाफ बयान दिए थे जिन्होंने उन्हें वोट नहीं दिया था। सीएम विजय ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक आलोचना स्वीकार्य है, लेकिन महिलाओं के प्रति अभद्र या अपमानजनक टिप्पणी करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई होगी।
भ्रष्टाचार के आरोपों पर विस्तार से बात कर मुख्यमंत्री विजय ने दावा किया कि उनके पास आधिकारिक रिकॉर्ड और विधानसभा लाइब्रेरी में मौजूद दस्तावेजों और नतीजों के प्रमाण हैं। उन्होंने डीएमके को सबूत मांगने के बजाय आरोपों का जवाब देने की चुनौती दी। उन्होंने 1977 की सरकारिया आयोग की रिपोर्ट का जिक्र कर वीरनम पाइपलाइन परियोजना में कथित गड़बड़ी और ठेके देने में कमीशन मांगने का आरोप लगाया। सीएम विजय ने दावा किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) का इस्तेमाल एक विशिष्ट कंपनी को अनुचित लाभ पहुँचाने के लिए हुआ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपों का हवाला देकर उन्होंने पार्टी फंड के नाम पर पैसे जुटाने और कुछ लेन-देन में 7.5 से 10 प्रतिशत तक कमीशन लेने की बात कही। उन्होंने पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी पर भी अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने डीएमके अध्यक्ष और पूर्व सीएम एम.के. स्टालिन और पार्टी नेता उदयनिधि स्टालिन का नाम लिया, आरोप लगाया कि वे और पूर्व मंत्री से जुड़े अन्य अधिकारी इन कथित लेनदेन में शामिल थे। हालांकि, मुख्यमंत्री विजय द्वारा लगाए गए ये सभी आरोप अभी भी अदालत में सिद्ध नहीं हुए हैं और केवल आरोप ही बने हुए हैं। अपनी बात समाप्त कर सीएम विजय ने कहा कि वे राजनीति में पद या सत्ता के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सेवा के लिए आए हैं। उन्होंने सी.एन. अन्नादुरई, एम.जी. रामचंद्रन और एन.टी. रामाराव जैसी हस्तियों की विरासत का उल्लेख कर विश्वास व्यक्त किया कि राजनीतिक विरोध के बावजूद अंततः जनता का प्यार ही विजयी होगा।

# 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं के राजनीतिक नेतृत्व के लिए नए रास्ते खोलेगा: लोकसभा अध्यक्ष

- वह दिन दूर नहीं जब सार्वजनिक सेवाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक होगी: लोकसभा अध्यक्ष
- अब ध्यान सिर्फ सहायता देने से हटकर महिलाओं को नीतियां और कानून बनाने में सक्षम बनाने पर होना चाहिए: लोकसभा अध्यक्ष
- महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के बिना भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में आगे नहीं बढ़ सकता: लोकसभा अध्यक्ष
- लोकसभा अध्यक्ष ने फरीदाबाद में राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) द्वारा आयोजित लिंग-उत्तरदायी शासन पर दो दिवसीय अखिल भारतीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का उद्घाटन किया

पीआईबी दिल्ली, 7 सितंबर। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व की पैरवी पुरजोर तरीके से की। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान ऐतिहासिक आवश्यकता है। विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं और पेशों में महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति से वो दिन दूर नहीं जब 50 प्रतिशत नेतृत्व महिलाओ के हिस्से होगा। आधी आबादी की आने वाले वर्षों में राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्रों में महिलाओं की एक नई पीढ़ी उभरकर सामने आएगी। श्री बिरला ने आज फरीदाबाद में राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) द्वारा आयोजित ₹लिंग-उत्तरदायी शासन₹ विषय पर दो दिवसीय अखिल भारतीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए ये बातें कहीं। श्री बिरला ने कहा कि अब ध्यान केवल सहायता और अवसर प्रदान करने से हटकर महिलाओं को नीतियों, कार्यक्रमों और कानूनों को सक्रिय रूप से आकार देने में सक्षम बनाने पर होना चाहिए। महिलाओं को स्वयं उन कानूनों को तय करने में भाग लेना चाहिए जो उनकी चिंताओं और आकांक्षाओं का समाधान कर सकें। उन्होंने समानता के प्रति संवैधानिक प्रतिबद्धता और महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण व आत्मनिर्भरता के लिए उठाए गए विभिन्न विधायी उपायों का जिक्र किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि राष्ट्रीय महिला आयोग जैसी संस्थाओं की उभरती चुनौतियों की पहचान करने और समाधान सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। महिला विधायक—लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, पंचायतों और नगर पालिकाओं के माध्यम से—महिलाओं के मुद्दों को उचित मंचों तक पहुंचाने और यह सुनिश्चित करने में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं कि कानून जमीनी वास्तविकताओं के अनुकूल हों।

श्री बिरला ने इस बात पर भी जोर दिया कि देश की लगभग आधी आबादी वाली महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के बिना भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने कहा कि हर महिला के पास रोजगार, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सशक्तिकरण के अवसर होने चाहिए। उन्होंने महिलाओं से ऐसी प्रभावी नीतियों, योजनाओं और विधायी उपायों पर विचार-विमर्श करने का आह्वान किया जो अभाव और कठिनाइयों का सामना कर रही महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत कर सकें। उन्होंने सुझाव दिया कि इस कार्यशाला में प्रतिभागी विधायक अपने अपने क्षेत्र के अनुभवों और सफल पहलों को साझा करें , ताकि सर्वोत्तम प्रथाओं को देश भर में अपनाया जा सके। इसके अलावा, उन्होंने महिलाओं में उन कानूनों और संस्थागत तंत्रों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया जो उनकी चिंताओं के समाधान के लिए उपलब्ध हैं। यह उल्लेख करते हुए कि महिलाएं हमेशा से भारत के परिवर्तन के मोर्चे पर आगे रही हैं—स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्र-निर्माण से लेकर लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने तक—श्री बिरला ने रेखांकित किया कि यह कार्यक्रम महिला विधायकों को अपने अनुभवों, विचारों और दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करने के लिए एक आवश्यक मंच प्रदान करता है, जिससे उनकी नेतृत्व क्षमता मजबूत होती है। विभिन्न राज्यों इन और केंद्र शासित प्रदेशों की महिला विधायकों की भागीदारी यह दर्शाती है कि वे विधायी मंचों के माध्यम से महिलाओं की आकांक्षाओं को आवाज देने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से इस जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए अपने कौशल को और धार देने का आग्रह किया। एक जीवंत लोकतंत्र में संवाद के महत्व पर जोर देते हुए श्री बिरला ने कहा कि जनता की चुनौतियों और आकांक्षाओं का समाधान निरंतर चर्चा और विचार-विमर्श के माध्यम से सबसे अच्छे ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने रेखांकित किया कि संवेदनशीलता महिलाओं के नेतृत्व की एक मुख्य ताकत है, जो लोगों की चिंताओं की गहरी समझ और प्रभावी समाधान खोजने की अधिक क्षमता को बढ़ावा देती है। उन्होंने जोड़ा कि एक संवेदनशील और उत्तरदायी कार्य संस्कृति सामाजिक चुनौतियों से निपटने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। उन्होंने अंत में कहा कि महिलाओं के नेतृत्व को आगे बढ़ाना एक सामूहिक संकल्प बना रहना चाहिए, और उन्होंने उम्मीद जताई कि निरंतर प्रयासों से महिलाएं राष्ट्रीय जीवन के हर क्षेत्र में तेजी से नेतृत्व के पदों पर आसीन होंगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर; हरियाणा सरकार में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री राजेश नागर और 20 राज्यों एवं 2 केंद्र शासित प्रदेशों की लगभग 200 महिला विधायक उपस्थित थे।

# रक्षा अधिग्रहण परिषद ने सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए दी बड़ी सौगात

## सेनाओं के लिए 1.10 लाख करोड़ के स्वदेश हथियारों की होगी खरीदी

नई दिल्ली(ईएमएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक हुई। बैठक में सशस्त्र बलों के विभिन्न अधिग्रहण प्रस्तावों को सैद्धांतिक प्रशासनिक मंजूरी यानी एक्सेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी दी गई। इन प्रस्तावों की अनुमानित लागत 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये है। यह फैसला भारतीय रक्षा बलों की लड़ाकू क्षमता बढ़ाने और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सबसे खास बात यह है कि कुल मंजूरियों में से करीब 98 प्रतिशत खरीद भारतीय उद्योग से की जाएगी। इससे मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान को नया बल मिलेगा।

भारतीय थलसेना के लिए कई महत्वपूर्ण प्रणालियों को मंजूरी दी गई। इनमें केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल एंड न्यूक्लियर यानी सीबीआरएन रेकी वाहन शामिल हैं। ये वाहन रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु एजेंटों से दूषित क्षेत्रों का पता लगाने, पहचानने, निगरानी करने और चिह्नित करने में सक्षम होंगे। उच्च गतिशीलता वाले वाहन यानी हाई मोबिलिटी व्हीकल्स चुनौतीपूर्ण इलाकों में परिचालन क्षमता, लॉजिस्टिक सहायता और गतिशीलता बढ़ाएंगे। सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स कठिन इलाकों में तेज और प्रभावी माइन बिछाने की क्षमता प्रदान करेंगे। एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर थलसेना और वायु सेना दोनों के लिए सभी इलाकों और परिचालन स्थितियों में जटिल मिशनों को अंजाम देंगे। ट्रॉल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम विभिन्न इलाकों में लड़ाकू संरचनाओं को मिश्रित क्रॉसिंग सुविधा उपलब्ध कराएंगे। ये सभी प्रणालियां सीमाओं पर तेजी से प्रतिक्रिया और बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करेंगी। पहाड़ी, रेगिस्तानी और मैदानी क्षेत्रों में सेना की तैयारियों को नया आयाम मिलेगा।

भारतीय नौसेना के लिए अरुध्रा रडार और मरीन गैस टर्बाइन (एमजीटी) के डिजाइन, विकास तथा खरीद को मंजूरी मिली। अरुध्रा रडार विभिन्न नौसैनिक हवाई स्टेशनों पर मौजूदा एयर रूट सर्विलांस रडार की जगह लेंगे। इससे हवाई निगरानी की क्षमता और सटीकता बढ़ेगी। मरीन गैस टर्बाइन युद्धपोतों की प्रणोदन प्रणाली है। इसका स्वदेशी विकास और खरीद विदेशी विक्रेताओं पर निर्भरता कम करेगी। समुद्री क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में यह बड़ा कदम है। युद्धपोतों की गति और विश्वसनीयता में सुधार होने से हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक स्थिति मजबूत होगी।

**वायु सेना की लड़ाकू क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार:** भारतीय वायु सेना के लिए लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों की युद्धक क्षमता बढ़ाने वाले कई प्रस्ताव पास हुए। ग्राउंड-बेस्ड मल्टी-पर्पज जैमर (जीबीएमपीजे) को मंजूरी दी गई जो दुश्मन के रडारों के खिलाफ प्रभावी जैमिंग क्षमता प्रदान करेगा। इससे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर में बढ़त मिलेगी। डिफेंस फोर्सेज सिक्योर एक्सेस कार्ड (डेफसैक) सिस्टम मौजूदा कागजी पहचान पत्रों, पास और परमिट की जगह इंटरऑपरेबल रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन आधारित स्मार्ट कार्ड सिस्टम लाएगा। यह सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक और सुरक्षित बनाएगा। ये मंजूरी वायु सेना की बहुआयामी क्षमताओं को मजबूत करेंगी। जैमिंग सिस्टम से दुश्मन की निगरानी और संचार बाधित करने में मदद मिलेगी जबकि स्मार्ट कार्ड सिस्टम से आंतरिक सुरक्षा और पहुंच नियंत्रण बेहतर होगा।

**स्वदेशीकरण पर जोर और आत्मनिर्भरता की दिशा:** कुल मंजूरियों का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा भारतीय उद्योग से खरीदा जाएगा। यह आंकड़ा मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता को दर्शाता है। पहले विदेशी निर्भरता ज्यादा थी लेकिन अब घरेलू कंपनियां डिजाइन, विकास और उत्पादन में आगे आ रही हैं। इससे न सिर्फ विदेशी मुद्रा बचेगी बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम मजबूत होगा और निर्यात क्षमता भी बढ़ सकती है। डीएसी का यह फैसला वर्तमान सुरक्षा चुनौतियों को ध्यान में रखकर लिया गया है। सीमाओं पर तनाव, आतंकवाद और आधुनिक युद्ध की जरूरतें इन उपकरणों को जरूरी बनाती हैं। सीबीआरएन खतरों से निपटने, कठिन इलाकों में गतिशीलता बढ़ाने, समुद्री निगरानी मजबूत करने और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता विकसित करने पर फोकस साफ दिखता है। यह मंजूरी सिर्फ खरीद नहीं बल्कि दीर्घकालिक सैन्य आधुनिकीकरण की रणनीति का हिस्सा है। थलसेना, नौसेना और वायु सेना तीनों के लिए संतुलित तरीके से क्षमताएं बढ़ाई जा रही हैं। स्वदेशी उद्योग को प्राथमिकता देकर भारत वैश्विक रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में अपनी जगह मजबूत कर रहा है। आने वाले वर्षों में ये प्रणालियां सशस्त्र बलों की तैयारियों को नई ऊंचाई देंगी और राष्ट्र की सुरक्षा को और पुख्ता करेंगी।

**CHANGE OF NAME**

I HAVE CHANGED MY NAME FROM HETAL PARAGJI PATEL **TO HETAL PATEL** AS PER DOCUMENT.
ADDRESS : B-9, PRAMUKH VATIKA SOCIETY, BAVISA FALIYA ROAD, SILVASSA-396230

Adv. for applicant: Yogesh C. Solanki
Next date: 01 /10/2026

**PUBLIC NOTICE**

**IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.**

CNR-UTDD02-000589-2026
**C. M. A. No. 330/2026**

Yunus & Oth. ..... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. ..... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 274/1998, dated: 19/08/1998**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 03/09/2026

CIVIL JUDGE, S.D. COURT DIU

By Order

A.S. / Superintendent, Diu

# ग्रामीण इलाकों में भी 25 दिन में सिलेंडर बुकिंग होगी

## अभी 45 दिन में हो रही थी: अब शहर-गांव में एक जैसे नियम

नई दिल्ली(ईएमएस)। अब गांवों में भी लोग 25 दिन में गैस सिलेंडर बुक कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने ग्रामीण इलाकों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर बुक करने का 45 दिन का नियम खत्म कर दिया है। शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर रिफिल बुकिंग का अंतराल 25 दिन है। केंद्रीय पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को बताया कि सरकार ने सभी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को इस नए नियम को तुरंत प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं। सुरेश गोपी ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच जंग के दौरान एलपीजी सप्लाई पर दबाव था। इसके चलते 9 मार्च को शहरी इलाकों में रिफिल बुकिंग का अंतर 25 दिन और 12 मार्च को ग्रामीण इलाकों में 45 दिन कर दिया गया था। मंत्री ने कहा कि एलपीजी सप्लाई की मौजूदा स्थिति में सुधार हुआ है और पेंडिंग बुकिंग में कमी आई है। इसी वजह से केंद्र सरकार ने यह पाबंदी हटा दी है।

# लखनऊ में 208 जर्जर इमारतें, बड़े हादसे का खतरा गहराया

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में दिल्ली जैसी इमारत ढहने की घटना का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। नगर निगम ने शहर में 208 ऐसी जर्जर इमारतों की पहचान की है जो कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। इन खतरनाक भवनों में रहने वाले लोगों को नगर निगम द्वारा नोटिस जारी हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद न लोग अपने मकान खाली कर रहे हैं और न ही उन्हें सुरक्षित बनाने की दिशा में कोई कदम उठा रहे हैं। नगर निगम के अवर अभियंता विकास सिंह के मुताबिक, जर्जर भवनों में रहने वालों को नोटिस के जरिए सावधान किया गया है, लेकिन फिलहाल निगम की कार्रवाई सिर्फ नोटिस तक ही सीमित है। इसके बाद सवाल उठ रहा है कि यदि किसी जर्जर इमारत के अचानक गिरने से जान-माल का बड़ा नुकसान होता है, तब इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। सबसे ज्यादा खतरा पुराने लखनऊ और सघन आबादी वाले इलाकों में है। इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुराने मकान हैं, जिसमें अक्सर किराएदारी, मालिकाना हक और बंटवारे जैसे विवाद चलते रहते हैं, जिससे मरम्मत या खाली कराने की प्रक्रिया रुकती है। गोलागंज में हाल ही में महमूदाबाद ट्रस्ट बिल्डिंग की दीवार भरभराकर गिर गई थी, गनीमत रही कि उस समय कोई सड़क पर मौजूद नहीं था और बड़ा हादसा टल गया। यह घटना शहर में जर्जर भवनों से पैदा हो रहे खतरे की गंभीरता को दर्शाती है। पुराने लखनऊ के लालकुआं, कैसरबाग, अमीनाबाद, गड़बड़झाला, वजीरगंज, राजेंद्र नगर और चारबाग जैसे कई इलाकों में इसतरह के भवन मौजूद हैं।

# हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशनी

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

योगेश कुमार गोयल

**दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए।**

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितंबर को विश्वभर में ह्यअंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसह्ल मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की 60वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितंबर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितंबर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं

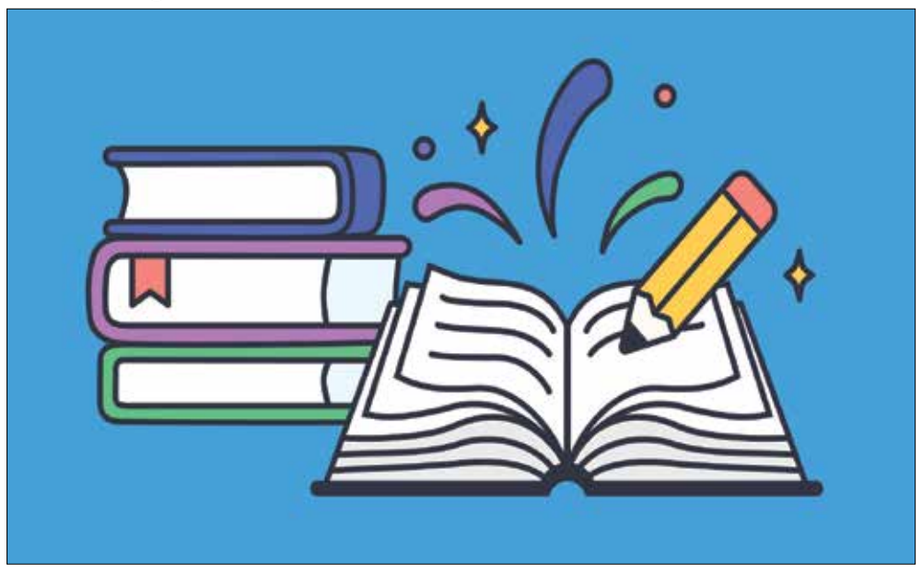

लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'लोगों, धरती और समृद्धि के लिए साक्षरता'। वर्ष 2025 और 2024 में साक्षरता दिवस क्रमशः 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना' और 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

## संपादकीय

### इसरो की कामयाबी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपनी पहले जियोसिंक्रोनस इमेजिंग सैटेलाइट का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर उसे पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसे इसरो की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है कि क्योंकि यह इमेजिंग उपग्रह देश के किसी भी क्षेत्र के रियल-टाइम चित्र दे सकेगा। जो समुद्री सुरक्षा, सीमाओं की निगरानी, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी मूल्यवान जानकारी तो देगा ही, साथ ही पर्यावरण की निगरानी भी करेगा। इसके अलावा फसलों की स्थिति, मिट्टी की नमी व वनस्पति की सेहत की जानकारी देकर खेत-खलिहानों के लिये भी बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। साथ ही उपग्रह आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी जानकारियां उपलब्ध करायेगा। मसलन, बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति में पानी की स्थिति की सटीक जानकारी से आपदा राहत कार्य बेहतर ढंग से चलाने में मदद मिल सकेगी। निस्संदेह, इसके प्रक्षेपण से देश की धरती की निगरानी क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। साथ ही धरती पर होने वाले असामान्य बदलावों पर समय रहते नजर रखी जा सकेगी। इसरो द्वारा जीएसएलवी-एफ 17 राकेट के जरिये किया गया यह सफल प्रक्षेपण वैज्ञानिकों को उत्साहित कर गया क्योंकि यह जियोसिंक्रोनस कक्षा से इमेजिंग करने वाला देश का पहला सैटेलाइट है। दरअसल, इस कक्षा में काम करने वाले उपग्रह का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि यह लक्षित बड़े क्षेत्र पर लगातार निगरानी करते हुए मौजूदा समय के फोटोग्राफ लगातार दे सकता है। जिससे मौसम, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन व भूमि की सतह में होने वाली बदलावों के निहितार्थों को समझना आसान हो सकेगा।

दरअसल, इस उपग्रह का लाभ अंतरिक्ष अनुसंधान व सामरिक लक्ष्यों तक ही सीमित नहीं रहेगा, यह खेती व किसानों के लिये भी उतना ही महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे मिलने वाले डेटा का प्रयोग हमारे भू-भाग पर उपलब्ध संसाधनों की निगरानी व उसकी प्रकृति में आ रहे बदलावों को समझने में भी मददगार होगा। दावा है कि उपग्रह से मिलने वाले चित्रों के विश्लेषण से फसलों की गुणवत्ता, प्राकृतिक प्रभावों के अलावा मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी जुटाने में सहायता मिल सकेगी। आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण व इस कार्य में लगी सरकारी एजेंसियों की मदद से खेती से जुड़ी नीतियों के निर्धारण, प्रभावी योजनाओं को बनाने और क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। महत्वपूर्ण बात यह भी कि देश के विभिन्न भागों में आने वाले चक्रवात, बाढ़, जंगलों में लगने वाली आग तथा कुदरती रौद्र के दौरान जहां रियल टाइम जानकारी मिल सकेगी, वहीं बचाव व राहत के नीति निर्धारण में भी समय रहते मददगार होगी। दरअसल, धरती की निगहबानी करने वाले उपग्रह प्रभावित क्षेत्रों के चित्र व आंकड़े तुरंत उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं, जो राहत-बचाव कार्यों में जुटी एजेंसियों के लिये मार्गदर्शक होते हैं। निस्संदेह, आज देश का स्पेस सेक्टर नई ऊंचाइयों की ओर उन्मुख है। देश में 450 से अधिक स्पेस स्टार्टअप्स की मौजूदगी इस बात का प्रमाण है। देश की निजी कंपनियां भी ऑर्बिट तक रॉकेट पहुंचाने लगी हैं। कह सकते हैं कि देश आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से लाभप्रद स्पेस इकोसिस्टम बनाने की ओर बढ़ चुका है।

## चिंतन-मनन

### शांति के लिए संतुलन जरूरी है

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मग्न यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्र था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे।

जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।

# विदेशी निवेशकों का मूड बदला, शेयर बाजार से 7443 करोड़ की निकासी

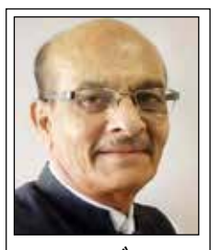

सनत जैन

शेयर बाजार बड़े-बड़े पूंजी निवेशकों की कमाई का अड्डा बन गया है। इसमें छोटे निवेशक और भारतीय संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन भारत सरकार और सेबी जैसी संस्थाएं आंख बंद करके बैठी हुए हैं। विदेशी निवेशकों ने 7,443 करोड़ की निकासी की है। जो बाजार के लिए बड़े खतरे की घंटी है। पहले भी विदेशी निवेशक लाखों करोड़ों रुपए निकाल चुके हैं। पिछले दो महीने की खरीदारी से थोड़ी आशा बंधी थी, लेकिन सितंबर माह में अमेरिका-ईरान तनाव, महंगा कच्चा तेल, मजबूत डॉलर और बॉन्ड यील्ड ने विदेशी निवेशकों की चिंता को बढ़ा दिया है। भारतीय शेयर बाजार के विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की निकासी से एक बार फिर शेयर बाजार में चिंता हो गई है। करीब दो महीने तक भारतीय बाजार में लगातार पैसा लगाने के बाद विदेशी निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में ही 7,443 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है। यह केवल आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं है, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के प्रति विदेशी पूंजी की संवेदनशीलता का संकेत भी है। भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को मुनाफे की जगह घाटा उठाना पड़ रहा है। वहीं भारतीय शेयर बाजार में जोखिम भी बढ़ता जा रहा है। अमेरिका-ईरान तनाव ने कच्चे तेल, डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिसका असर भारत जैसे बाजारों पर पड़ रहा है। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है। विदेशी निवेशकों का मूड पिछले दो महीनों में ही बदल गया है। चार महीने की लगातार बिकवाली के बाद जुलाई और अगस्त में एफपीआई ने भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में पैसा लगाया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में उन्होंने करीब 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दो महीनों में कुल 51,119 करोड़ रुपये की विदेशी पूंजी भारतीय बाजार में आई। इसके तुरंत बाद सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने बाजार के सामने फिर वही सवाल खड़ा कर दिया है। जो 4 माह पहले खड़ा हुआ था। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय शेयर बाजार में बन नहीं पा रहा है। भू-राजनीतिक तनाव का असर तथा कंपनियों में धोखाधड़ी की खबरों को लेकर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को जोखिम के रूप में देख रहे हैं। शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव और निवेश अकेले भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं करते हैं। वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। तेल महंगा होने का सीधा असर आयात बिल, महंगाई और चालू खाते पर पड़ता है। इससे कंपनियों की कमाई पर असर पड़ता है। यह आशंका विदेशी निवेशकों को सतर्क कर रही है। भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है। मांग कम हो रही है। इसका असर कंपनियों के मुनाफे पर दिखने लगा है। पिछले दो महीने में जिस तरह से भारत में आंदोलन धरना प्रदर्शन हो रहे हैं, घोटाले के बड़े-बड़े मामले सामने आ रहे हैं, इससे निवेशक भयभीत होकर शेयर बाजार से बाहर निकल रहे हैं। 2026 में शेयर बाजार से निकासी का यह आंकड़ा चिंताजनक है। सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने वर्ष 2026 में विदेशी निवेशकों की कुल निकासी को 2.32 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया है। यह आंकड़ा 2025 में 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से अधिक है। बीच-बीच में विदेशी पूंजी की वापसी बाजार में भरोसे का संकेत देती है, उनका बार-बार तेजी से बाहर निकलना, भारतीय शेयर बाजार की विदेशी पूंजी पर निर्भरता को उजागर करता है। विदेशी निवेशक जब शेयर खरीदते हैं, बाजार में तेजी को बल मिलता है। भारी बिकवाली होने का असर कई रूप में देखने को मिल सकता है। छोटे और घरेलू निवेशकों पर इसका मनोवैज्ञानिक असर होता है। शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की असली परीक्षा आने वाले कुछ महीनों में सामने आएगी। विशेषज्ञों की नजर विदेशी निवेशकों के उस रुख पर है। यदि अमेरिकी बॉन्ड पर आकर्षक रिटर्न मिलता है। डॉलर मजबूत बना रहता है, ऐसी स्थिति में विदेशी पूंजी का बड़ा हिस्सा उभरते बाजारों से निकलकर विकसित बाजारों में निवेश की संभावना बढ़ेगी। जो भारतीय बाजार के लिए विदेशी पूंजी के उतार-चढ़ाव के बावजूद अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। भारतीय अर्थ व्यवस्था की घरेलू मांग, कंपनियों की आय, सरकारी निवेश और घरेलू संस्थागत निवेशक, बाजार को सहारा दे सकते हैं। वैश्विक जोखिमों को देखते हुए भारतीय शेयर बाजार में दोहरी मार पड़ रही है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय शेयर बाजार में नए इशू आ रहे हैं। इसमें मनमाना प्रीमियम लिया जा रहा है। विदेशी निवेशक इस खेल को अच्छी तरह से समझते हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय शेयर बाजार में उनके लिए दीर्घकालीन निवेश करने के लिए कोई अवसर नहीं है। जिसके कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। निवेश करने में रुचि नहीं ले रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ी चेतावनी है।

# जहरीली शराब से फिर मौतों का तांडव :सागर से उठता सवाल -जहरीली शराब की कीमत कौन चुका रहा है?

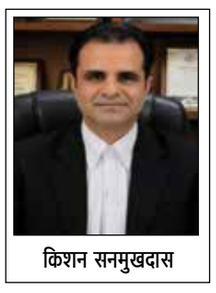

किशन सनमुखदास

मौतें जनता की,राजस्व सरकार का और फायदा माफिया का? -शराब माफिया बड़ा या सरकारी सिस्टम?- समग्र व्यापक विश्लेषण...

हर बार मौत,हर बार जांच, फिर वही जहरीली शराबः आखिर कब टूटेगा माफिया का नेटवर्क?

सागर की जहरीली शराब त्रासदी :मौत के जाम के पीछे कौन? शराब माफिया,प्रशासन और सिस्टम कीजवाबदेही पर बड़ा सवाल?-कब रुकेगा मौत का यह सिलसिला? -देशभर के लिए जहरीली शराब के खिलाफ निर्णायक जंग का आह्वान

वैश्विक स्तरपर भारत में जहरीली शराब से मौत की खबर कोई नई खबर नहीं है।वर्षों से अलग-अलग राज्यों से ऐसी त्रासदियां सामने आती रही हैं और हर बार मौतों के बाद जांच,छापे, गिरफ्तारी,निलंबन, मुआवजा और कठोर कार्रवाई के आश्वासन सुनाई देते हैं।लेकिन कुछ समय बाद वही कहानी किसी दूसरे जिले, दूसरे राज्य और दूसरे गांव में फिर सामने आ जाती है। 6 सितंबर 2026 को मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र से सामने आई कथित जहरीली/अवैध शराब की त्रासदी ने इसी पुराने प्रश्न को फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है, आखिर जहरीली शराब का नेटवर्क बार-बार क्यों लौट आता है और उसे स्थायी रूप से तोड़ने में व्यवस्था क्यों सफल नहीं हो पा रही? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि सागर में 6 सितंबर को सुबह से मृतकों की संख्या लगातार बदलती रही।शुरूआती रिपोर्टों में 8-9 मौतें सामने आईं,बाद में 11 और कुछ रिपोर्टों में 12 से 14 से अधिक मौतों की सूचना दी गई।30 से अधिक लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी सामने आईं। प्रभावित क्षेत्र में बंडा तहसील के कई गांवों के नाम सामने आए हैं और प्रशासन ने मेडिकल तथा जांच टीमें तैनात की हैं। शुरूआती चिकित्सकीय आकलन में मेथनॉल विषाक्तता की आशंका व्यक्त की गई,लेकिन अंतिम कारण पोस्टमार्टम और रासायनिक जांच के बाद ही निश्चित होगा।

साथियों, इस घटना ने एक और गंभीर पहलू सामने रखा है। प्रारंभिक जांच संबंधी रिपोर्टों में उत्तर प्रदेश के ललितपुर से कथित नकली शराब नेटवर्क का कनेक्शन सामने आने की बात कही गई है।जांच रिपोर्टों के अनुसार नकली शराब को वास्तविक ब्रांड जैसा दिखाने के लिए नकली लेबल, ढक्कन और क्यूरआर कोड का इस्तेमाल किए जाने का आरोप है तथा इसे वाहनों और मोटरसाइकिलों के माध्यम से मध्य प्रदेश के गांवों तक पहुंचाने की बात सामने आई है।कुछ रिपोर्टों में पांच शराब दुकानों को सील किए जाने की जानकारी भी है। हालांकि इस पूरे नेटवर्क की वास्तविक संरचना और किस स्तर तक इसकी पहुंच थी,यह जांच पूरी होने के बाद ही सटीकता से स्पष्ट होगा।

साथियों,यहीं से पहला और सबसे बड़ा प्रश्न उठता है शराब माफिया आखिर इतना संगठित कैसे हो जाता है कि नकली उत्पाद तैयार कर सके,उसे असली ब्रांड जैसा पैक कर सके,नकली क्यूरआर कोड लगा सके,सीमावर्ती जिलों में पहुंचा सके और अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचा सके? यदि किसी नेटवर्क में उत्पादन, पैकेजिंग, परिवहन, वितरण और स्थानीय बिक्री की अलग- अलग कड़ियां मौजूद हैं,तो यह केवल एक व्यक्ति की आपराधिक गतिविधि नहीं रह जाती;यह संगठित अवैध अर्थव्यवस्था का रूप ले लेती है।सागर की प्रारंभिक जांच में ललितपुर कनेक्शन की बात सामने आना इसी पहलू को गंभीर बनाता है।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े पहले स्तरः शराब माफिया,नकली शराब की पूरी श्रृंखला को समझने की करें तो,अवैध शराब का कारोबार सामान्यतः केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं होता जो अंतिम बोतल बेचता है।सवाल यह है कि नकली शराब बनती कहां है,उसके लिए कच्चा माल और रसायन कहां से आते हैं,उसे तैयार कौन करता है,बोतलों में कौन भरता है नकली ब्रांडिंग कौन करता है,परिवहन कौन करता हैऔर स्थानीय स्तर पर उसे बेचने वाला कौन है? सागर मामले में यदि ललितपुर से उत्पादन और सागर तक आपूर्ति की जांच सही साबित होती है, तो जांच एजेंसियों को केवल स्थानीय विक्रेता तक रुकने के बजाय पूरे सप्लाई नेटवर्क को खंगालना होगा।मई 2026 के पुणे मामले ने भी इसी नेटवर्क की गंभीरता दिखाई थी। वहां जांच में मेथनॉल की आपूर्ति और उसे अवैध शराब में मिलाए जाने की कड़ी सामने आई तथा एफडीए ने हजारों किलोग्राम मेथनॉल जब्त किया था।यानें जहरीली शराब की समस्या केवल कुछ लोग चोरी से शराब बना रहे हैं तक सीमित नहीं है; इसके पीछे रसायनों की उपलब्धता,अवैध उत्पादन वितरण और स्थानीय बिक्री जैसी अनेक कड़ियां हो सकती हैं।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े दूसरे स्तर, प्रशासन और आबकारी व्यवस्था,निगरानी कहां टूटती है? इसको समझने की करें तो,दूसरा सवाल सीधे प्रशासन और आबकारी विभाग की जिम्मेदारी से जुड़ता है।लाइसेंस प्राप्त शराब दुकानों की निगरानी, अवैध बिक्री की पहचान, संदिग्ध शराब की जांच,स्टॉक और दस्तावेजों का सत्यापन तथा अवैध नेटवर्क के विरुद्ध कार्रवाई व्यवस्था की जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं।यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक अवैध शराब बिकती रहती है,तो यह पूछना स्वाभाविक है कि स्थानीय सूचना तंत्र, पुलिस, आबकारी विभाग और जिला प्रशासन के बीच समन्वय कितना प्रभावी था।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सिद्धांत भी जरूरी है,हर जहरीली शराब की घटना के बाद पूरे प्रशासन को बिना जांच दोषी घोषित करना उचित नहीं है।दोष व्यक्तिगत अधिकारियों का है?,विभागीय लापरवाही है? स्थानीय मिलीभगत है? या नेटवर्क ने निगरानी को चकमा दिया? यह स्वतंत्र जांच से तय होना चाहिए।फिर भी यदि जांच में यह सामने आता है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई,संदिग्ध दुकानों की निगरानी नहीं की गई या अधिकारियों ने जानबूझकर आंखें बंद कीं, तो जवाबदेही केवल माफिया तक सीमित नहीं रह सकती।पुणे त्रासदी के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के 22 कर्मचारियों के निलंबन? ने यही सिद्धांत सामने रखा कि यदि सरकारी निगरानी में गंभीर चूक प्रमाणित होती है तो प्रशासनिक जवाबदेही भी सटीकता से तय की जा सकती है।

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े तीसरे स्तरःराजनीतिक और आर्थिक विरोधाभास,राजस्व बनाम जीवन इसको समझने की करें तो,भारत में शराब एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है और अनेक राज्य इससे महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त करते हैं। यही सबसे बड़ा विरोधाभास पैदा करता है। एक ओर सरकार शराब की बिक्री को नियंत्रित और लाइसेंस करती है तथा उससे राजस्व प्राप्त करती है; दूसरी ओर उसी व्यवस्था के समानांतर अवैध शराब का बाजार खड़ा हो जाता है, जो कभी-कभी सीधे मानव जीवन के लिए खतरा बन जाता है।इसका अर्थ यह नहीं कि वैध शराब की बिक्री अपने आप जहरीली शराब की जिम्मेदार है। समस्या उस समय पैदा होती है जब वैध और अवैध बाजार के बीच निगरानी की दीवार कमजोर पड़ती है। नकली बोतल, नकली लेबल, नकली क्यूरआर कोड और असली ब्रांड की नकल उपभोक्ता को यह समझने का अवसर ही नहीं देती कि वह क्या पी रहा है। सागर मामले में सामने आई कथित फर्जी पैकेजिंग इसी चिंता को और गंभीर बनाती है।इसलिए प्रश्न शराब के राजस्व को बंद करने या जारी रखने से पहले यह होना चाहिए कि क्या सरकार की नियामक क्षमता इतनी मजबूत है कि राजस्व व्यवस्था के साथ नागरिकों की सुरक्षा भी सटिका से सुनिश्चित की जा सके?

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े,चौथे स्तरः मानव जीवन बनाम सरकारी राजस्व को समझने की करें तो,सबसे बड़ा प्रश्न आखिरकार आर्थिक नहीं, मानवीय है। एक व्यक्ति की मृत्यु का मूल्य किसी सरकारी राजस्व तालिका में दर्ज नहीं किया जा सकता। जहरीली शराब से मरने वाले व्यक्ति के पीछे एक परिवार होता है बच्चे होते हैं, माता-पिता होते हैं, पत्नी या पति होते हैं, भविष्य की योजनाएं होती हैं और परिवार की आर्थिक सुरक्षा होती है।यदि कोई व्यक्ति जहरीली शराब पीकर मरता है तो नुकसान केवल एक जीवन का नहीं होता। परिवार की आय समाप्त हो सकती है, बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो सकती है, चिकित्सा खर्च बढ़ सकता है, परिवार कर्ज में जा सकता है और सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पैदा हो सकती है। इसलिए जहरीली शराब की वास्तविक सामाजिक लागत उस तत्काल सरकारी राजस्व से कहीं अधिक हो सकती है जो शराब के वैध कारोबार से प्राप्त होता है।भारत की जनता अब बार-बार सामने आने वाली ऐसी खबरों से केवल दुखी नहीं है; वह जवाब चाहती है। सवाल अब यह नहीं होना चाहिए कि अगली घटना के बाद कितने लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। सवाल यह होना चाहिए कि अगली घटना होने ही न देने की सटिका से व्यवस्था कब बनेगी?

संक्षिप्त समाचार

## अमेरिका में मुस्लिम आबादी और मस्जिदें बढ़ीं, फिर भी 9/11 की छाया क्यों नहीं हुई खत्म

**अल्बानी, एजेंसी।** अमेरिका अगले हफ्ते 9/11 हमले की 25वीं बरसी मनाएगा। इस लंबी अवधि ने बहुत कुछ बदल दिया है। लेकिन आज भी अमेरिकी समाज में मुस्लिमों की छवि नहीं बदल पाई है। प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे के मुताबिक, 51% अमेरिकी अब भी मुस्लिमों को संदेह की नजर से ही देखते हैं। अमेरिका में मुस्लिम आबादी, मस्जिदों की संख्या बढ़ी है और राजनीतिक स्तर पर भी समुदाय की सक्रियता बढ़ी है। लेकिन हिंसक समुदाय होने की उसकी छवि जस की तस बनी है। प्यू रिसर्च सेंटर अमेरिका में मुस्लिमों की स्थिति, अमेरिकियों की सोच और खुद मुस्लिमों की राय पर समय-समय पर सर्वे करता रहा है। इस साल के सर्वे में 43% अमेरिकी वयस्कों ने माना कि मुसलमान अन्य नागरिकों की तुलना में कम देशप्रेमी हैं, जबकि 42% का मानना था कि अमेरिकी मुसलमानों का देश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसके पीछे 9/11 का खौफ साफ झलकता है। एफबीआई के मुताबिक, 2001 में मुस्लिमों के खिलाफ घृणा अपराध मामले 481 तक पहुंच गए थे, जो 2000 में मात्र 28 थे। तबसे इनमें उतार-चढ़ाव आता रहा है (2021 में 95 थे और 2016 में 307) लेकिन आंकड़ा 9/11 से पूर्व के स्तर पर नहीं लौट सका। डेमोक्रेट्स की तुलना में रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े लोग अधिकतर यह राय रखते हैं कि मुस्लिम धर्म को मानने वाले अधिक हिंसक होते हैं।

## आसिम मुनीर की ताकत में इजाफा: मिली तीनों सेनाओं की कमान; बने पाकिस्तानी के पहले चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान की संसद ने देश के इतिहास में पहली बार एक ही सैन्य अधिकारी को सेना, नौसेना और वायुसेना तीनों की कमान सौंपी है। इससे उन्हें अभूतपूर्व कानूनी ताकत मिली है। अगस्त के अंत में नेशनल असेंबली ने डिफेंस फोर्सेस ऑफ पाकिस्तान एक्ट, 2026 पारित कर चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) का नया पद बनाया। नए कानून के तहत फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को देश का पहला सीडीएफ नियुक्त किया गया। वह अपने मौजूदा सेना प्रमुख के पद के साथ नई जिम्मेदारी को भी संभालेंगे। सीडीएफ के पद के साथ मुनीर पाकिस्तान में और ताकतवर बनकर उभरे हैं। 1976 के बाद से यह पाकिस्तानी सैन्य कमान में सबसे बड़ा ढांचागत बदलाव माना जा रहा है। इससे पहले 1976 में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का पद बनाया गया था, लेकिन उसके पास नौसेना या वायुसेना को संचालित करने की कोई औपचारिक कानूनी ताकत नहीं थी। पुराने पद का काम सिर्फ तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बिठाना था और उसका नौसेना या वायुसेना पर कोई अधिकार नहीं था। इसके उलट सीडीएफ के पास तीनों सेनाओं पर कानूनी ऑपरेशनल कमांड है। यह सीधे सरकार को रिपोर्ट करेगा और इसके पास ऐसे फैसले लागू करने की शक्ति है जो पुराने पद के पास कभी नहीं थी। नए नियमों के अनुसार, परमाणु बलों की कमान का पद अब कानूनी रूप से केवल सेना के पास होगा।

## अमेरिकी सेना बच्चों की हत्यारी, उनका झूठा गौरव तोड़ा': हमले के बाद ईरान ने यूएस को लताड़ा, दे डाली धमकी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** भारत में स्थित ईरान के दूतावास ने छह सितंबर, 2026 को एक्स अकाउंट पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी का बयान साझा किया। बयान के मुताबिक, आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने अमेरिकी सेना के एक विमानवाहक पोत और एक विध्वंसक पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। ईरान ने आरोप लगाया कि दोनों अमेरिकी युद्धपोत ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान की नौसैनिक नाकाबंदी में हिस्सा ले रहे थे। आईआरजीसी ने अपने बयान में अमेरिकी सेना को खूब सुनाया। उसने अमेरिकी सेना को आक्रामक और बच्चों की हत्या करने वाली अमेरिकी सेना बताया। ईरानी संगठन ने दावा किया कि मिसाइल हमले के बाद दोनों अमेरिकी युद्धपोतों को नुकसान पहुंचा और आगे के हमले के डर से उन्हें मुठभेड़ वाले इलाके से भागना पड़ा। बयान में अमेरिका की क्षेत्रीय सैन्य मौजूदगी को भी निशाना बनाया गया। ईरान ने अमेरिका को आक्रामक दुश्मन बताते हुए कहा कि वह कई वर्षों से क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को लेकर घमंड करता रहा है। आईआरजीसी के मुताबिक, अमेरिकी पक्ष को अब आधिकारिक रूप से यह स्वीकार करना पड़ा कि उसके दो नौसेना युद्धपोत हमले की चपेट में आए।

# इस्राइल पर बरसे अमेरिकी राजदूत हकबी, सेटलर्स को आतंकवादी बताया; फलस्तीनी जनता पर रूख क्या

**यरुशलम, एजेंसी।** इस्राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकबी ने शनिवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इस्राइली सेटलर्स की हिंसा की एक बार फिर कड़ी निंदा की। महीनों से हमलों का सामना कर रहे फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मुलाकात के दौरान उन्होंने सेटलर्स की इन गतिविधियों को 'आतंक का कृत्य' बताया। हकबी ने हिंसा में शामिल सेटलर्स के लिए 'आतंकवादी' शब्द का इस्तेमाल किया, जो अमेरिकी अधिकारी आमतौर पर फलस्तीनी उग्रवादियों के लिए करते हैं।

**'यह सिर्फ अपराध नहीं, आतंक का कृत्य है' :** तुर्मुस अय्या गांव के दौरे के दौरान हकबी ने कहा, 'अगर कोई घुसपैठिया आकर अपना झंडा लगाता है और ऐसी जमीन या संपत्ति पर कब्जा करता है, जो उसकी नहीं है, अगर वह कार जलाता है, मस्जिद में आग लगाता है, किसी के घर में घुसकर तोड़फोड़ करता है या दीवारों पर आपत्तिजनक बातें लिखता है, तो यह आपराधिक कृत्य है। लेकिन यह सिर्फ अपराध तक सीमित नहीं है। यह आतंक का कृत्य है।' तुर्मुस अय्या गांव में पिछले एक साल के दौरान इस्राइली सेटलर्स की ओर से कई बार हमले किए जाने की खबरें सामने आई हैं।

**7 अक्टूबर के बाद वेस्ट बैंक में बढ़ी हिंसा :** संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के कार्यालय के मुताबिक, 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इस्राइल पर हमास के नेतृत्व में हुए हमले के बाद गाजा में शुरू हुए युद्ध के दौरान वेस्ट बैंक में बसने वालों की हिंसा में भी तेजी आई है। हकबी ने पिछले महीने वेस्ट बैंक के कुसरा शहर में कई हफ्तों तक चली अशांति के बाद भी हिंसा में शामिल बसने वालों के लिए 'आतंकवादी' शब्द का इस्तेमाल किया था। उस दौरान बसने वालों ने कई घरों को घेर लिया था। इनमें एक फलस्तीनी-अमेरिकी परिवार का घर भी शामिल था।

**'हकबी, आतंकवादियों की ओर से शुभकामनाएं' :** कुसरा की घटना के कुछ दिन बाद वेस्ट बैंक के बाजरिया गांव के निवासियों ने आरोप लगाया था कि बसने वालों ने एक मस्जिद में आग लगा दी। इसके बाद मस्जिद की दीवार पर हिब्रू भाषा में एक संदेश लिखा गया- 'हकबी, आतंकवादियों की ओर से शुभकामनाएं।' शनिवार को जब हकबी से इस घटना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि उन्होंने इसे स्वीकार किया।' मुझे नहीं लगता कि उनका इरादा ऐसा करने का था, लेकिन मेरा मानना है कि वे एक बहुत छोटे अल्पसंख्यक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं।' इससे एक सप्ताह पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने 'मुट्ठी भर दंगाइयों' की हरकतों की निंदा की थी। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने भी सेटलर्स की गतिविधियों को 'शर्मनाक' बताया था। हालांकि, नेतन्याहू की मौजूदा सरकार को इस्राइल के इतिहास की सबसे अधिक अति-राष्ट्रवादी और धार्मिक सरकार माना जाता है। उसके कार्यकाल में वेस्ट बैंक में इस्राइली बस्तियों के निर्माण में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय का बड़ा हिस्सा इन बस्तियों को अवैध मानता है। शनिवार को तुर्मुस अय्या पहुंचे हकबी ने शुरुआत में स्पष्ट किया कि उनकी यात्रा का एक मकसद वेस्ट बैंक में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों से मिलना है। ये लोग वेस्ट बैंक में रहने वाले करीब 30 लाख फलिस्तीनियों की आबादी का एक छोटा हिस्सा हैं, लेकिन तुर्मुस अय्या की आबादी में उनका महत्वपूर्ण हिस्सा है। हकबी ने कहा, 'मुझे अच्छी तरह पता है कि तुर्मुस अय्या और इस इलाके के दूसरे समुदायों में रहने वाले बहुत से अमेरिकी लोग वैसी जिंदगी नहीं जी पा रहे हैं, जिसके वे हकदार हैं। वे शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी पा रहे हैं।'ऐसे लोगों की वजह से उनकी जिंदगी प्रभावित हो रही है, जिन्होंने बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां अनुचित और गैर-कानूनी हैं।

**अमेरिकी दूतावास नहीं कर सकता जांच :** हकबी ने कहा कि अमेरिकी दूतावास आपराधिक गतिविधियों की जांच नहीं कर सकता। हालांकि, वह इस्राइली सरकार को यह स्पष्ट कर सकता है कि कुछ मामलों पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। कुछ जरूरतें हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए, कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कुछ खास अपराध और आतंकी गतिविधियां ऐसी हैं, जो जारी नहीं रह सकतीं। संबंधित देश को उनकी जांच करनी चाहिए और कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। ऐसी कार्रवाई की उम्मीद करना हर व्यक्ति का अधिकार है।

**10 फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मिले हकबी :** नगरपालिका ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हकबी ने करीब 10 फलस्तीनी-अमेरिकी निवासियों से मुलाकात की। इन लोगों ने उन्हें बताया कि बसने वालों की हिंसा ने उनकी जिंदगी और संपत्ति को किस तरह प्रभावित किया है। इस्राइल ने 1967 के मध्य-पूर्व युद्ध के दौरान वेस्ट बैंक के साथ-साथ गाजा और पूर्वी यरुशलम पर भी कब्जा कर लिया था। फलस्तीनी इन क्षेत्रों को अपने भविष्य के स्वतंत्र देश का हिस्सा बनाना चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का बड़ा हिस्सा इन क्षेत्रों को कब्जे वाले इलाके मानता है।

## 11 दिन बाद भी तबाही का कहर: चीन-नेपाल आर्थिक गलियारा तबाह; मलबे से जिंदा निकलीं बुजुर्ग महिला और चीनी नागरिक

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन के 11 दिन बाद भी तबाही का मंजर जारी है। चीन-नेपाल के बीच जमीनी व्यापार का प्रमुख केंद्र ग्यिरोंग पोर्ट और उससे जुड़ी सीमा चौकी पूरी तरह तबाह हो चुकी है। लगातार सामने आ रहीं तस्वीरें इसकी भयावह स्थिति बयां कर रही हैं। चीन ने नेपाल में हुई इस तबाही से हुए नुकसान पर भले ही चुप्पी साध रखी हो, लेकिन इस आर्थिक गलियारे के ठप होने से नेपाल की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति शृंखला पर असर साफ दिखने लगा है। भारत के जाने-माने भू-रणनीतिकार और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी का कहना है कि इस रास्ते होने वाला व्यापार पूरी तरह ठप होने से काठमांडो को अपनी आर्थिक जरूरतों के लिए भारत पर और अधिक निर्भर होना पड़ेगा। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत ट्रांस-हिमालय कनेक्टिविटी नेटवर्क में चीन ग्यिरोंग क्रॉसिंग को एक रणनीतिक केंद्र मानता है। ग्यिरोंग बंद होने से आपूर्ति शृंखला बाधित हो गई है। इससे चीनी सामानों की कमी हो रही है और नेपाल के घरेलू बाजार में महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। यहां दोनों देशों के बीच ट्रकों की आवाजाही, माल की चेकिंग, क्लियरेंस और स्टोरेज के लिए बड़े ड्राई पोर्ट और गोदाम बने थे।

**लाखों टन मलबा साफ करने के बाद ही शुरू हो पाएगा मार्ग :** तबाही के बाद व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह बहाल करने में अभी काफी समय लगेगा। भारी मालवाहक ट्रैफिक सुरक्षित रूप से फिर से शुरू होने से पहले इंजीनियरों को लाखों टन मलबा साफ करना होगा, ऊंचे पहाड़ी रास्तों को स्थिर करना होगा, हिमस्खलन के कारण ऊपर की ओर बनी झीलों के खतरे को कम करना होगा और बह चुके पुलों का पुनर्निर्माण करना होगा। अब इसे कुदरत का करिश्मा कहें या चमत्कार, नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के 11वें दिन शनिवार को मलबे में दबे एक चार मंजिला मकान से एक बुजुर्ग महिला को जिंदा निकाला गया। परिजनों ने महिला के जीवित मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी और उनका प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार भी कर दिया था। वहीं, बचाव दलों ने अपर त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना से जुड़ी एक सुरंग से एक चीनी नागरिक को भी सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता हासिल की है। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा पर आए हिमस्खलन के बाद भोटेकोशी नदी में आई इस विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। देश भर में मृतकों का आंकड़ा 1,344 तक पहुंच गया है, जबकि 589 विदेशी नागरिकों सहित लगभग 5,000 लोग अब भी लापता हैं, जिनमें भारत के भी 250 से अधिक नागरिक शामिल हैं।

## अमेजन संस्थापक की पूर्व पत्नी की दरियादिली: अश्वेत कॉलेजों को अरबों का दान; मैकेंजी स्कॉट क्यों बनी मिसाल

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट ने अमेरिका के ऐतिहासिक रूप से अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए दान के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। उनकी हालिया 4.2 करोड़ डॉलर की मदद के बाद इन संस्थानों को दिए उनके कुल दान का आंकड़ा एक अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है। स्कॉट ने इस साल नॉर्थ कैरोलिना की एलिजाबेथ सिटी स्टेट यूनिवर्सिटी को 4.2 करोड़ डॉलर का दान दिया। यह रकम विश्वविद्यालय के फाउंडर्स डे के मौके पर दी गई। जेफ बेजोस से अलग होने के बाद स्कॉट की संपत्ति कैसे बढ़ी स्कॉट ने 2020 में अमेजन में अपनी करीब आधी हिस्सेदारी बेच दी थी। इसके बाद उन्होंने बड़े स्तर पर परोपकारी काम शुरू किया। वर्ष 2020 से अब तक वह शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास, आपदा राहत और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले हजारों संगठनों के लिए करीब 26 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जता चुकी हैं। किन बड़े विश्वविद्यालयों को मिला स्कॉट का दान स्कॉट ने पिछले कुछ वर्षों में कई अश्वेत कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को बड़ी रकम दी है। नवंबर 2025 में उन्होंने हावर्ड यूनिवर्सिटी को 8 करोड़ डॉलर दिए थे। इसके अलावा मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी, प्रेयरी व्यू एएंडएम यूनिवर्सिटी, नॉरफोक स्टेट यूनिवर्सिटी, बोवी स्टेट यूनिवर्सिटी और वर्जीनिया स्टेट यूनिवर्सिटी समेत कई संस्थानों को भी उन्होंने आर्थिक मदद दी है। स्कॉट के दान में अलबामा स्टेट यूनिवर्सिटी को 2025 में 3.8 करोड़ डॉलर, अल्कॉर्न स्टेट यूनिवर्सिटी को 4.2 करोड़ डॉलर और मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी को 2020 और 2025 में कुल 10.3 करोड़ डॉलर शामिल हैं। प्रेयरी व्यू एएंडएम यूनिवर्सिटी को 11.3 करोड़ डॉलर और नॉरफोक स्टेट यूनिवर्सिटी को 9 करोड़ डॉलर भी मिले हैं। स्कॉट के कई दान बिना किसी विशेष शर्त के दिए जाते हैं। इसका मतलब है कि विश्वविद्यालय अपनी जरूरत के हिसाब से रकम का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसका उपयोग छात्रवृत्ति, शिक्षकों की नियुक्ति, एंडोमेंट, कैंपस सुधार या अन्य प्राथमिकताओं के लिए किया जा सकता है।

# अंडरवियर से मिट्टी की जांच: मच्छर की सूंड से बनाई नोजल; ऐसे शोध जिन्होंने हंसाया, फिर सोचने पर किया मजबूर

**वाशिंगटन, एजेंसी।** वैज्ञानिक अंतरिक्ष, बीमारियों और जलवायु पर शोध करते हैं, यह तो आम बात है। लेकिन क्या मिट्टी की सेहत जांचने के लिए अंडरवियर जमीन में दबाया जा सकता है क्या मूत्रालय में पड़ने वाले छींटों को भी विज्ञान की मदद से रोका जा सकता है और क्या चींटियां भी चुंबन करती हैं सुनने में ये सवाल भले ही मजाक जैसे लगें, लेकिन इनके जवाब तलाशने के पीछे बाकायदा वैज्ञानिक तर्क और गंभीर शोध छिपा है। ऐसे ही अनोखे और दिलचस्प शोधों को 2026 के इग नोबेल पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

**शोध जो सोचने पर करते हैं मजबूर :** स्प्रिंगर नेचर की रिपोर्ट के मुताबिक, स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 3 सितंबर को आयोजित समारोह में ऐसे शोधों को सम्मानित किया गया, जो पहले हंसाते हैं और फिर लोगों को उनके पीछे छिपे वैज्ञानिक सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करते हैं। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की मटिल्डा ब्रिंडल और उनके सहयोगियों को जैव-यांत्रिकी का पुरस्कार चुंबन की वैज्ञानिक परिभाषा तैयार करने के लिए मिला। वैज्ञानिकों के मुताबिक, चुंबन की परिभाषा में दो जीवों के मुंह का आपस में संपर्क होना चाहिए और उनके होंठ या मुखांगों में कुछ हलचल भी होनी चाहिए। इस परिभाषा ने कई जानवरों को भी 'चुंबन' करने वाले जीवों की सूची में शामिल कर दिया।

**एक हजार अंडरवियर से मिट्टी की सेहत की जांच :** मृदा विज्ञान का पुरस्कार उस प्रयोग को मिला, जिसमें 25 से अधिक देशों में एक हजार जोड़ी अंडरवियर मिट्टी में दबाई गईं। करीब दो महीने बाद इन्हें जमीन से बाहर निकालकर देखा गया कि कपड़ा कितना टूट चुका है। यह प्रयोग सुनने में जितना मजेदार लगता है, इसका मकसद उतना ही गंभीर था। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीव कपड़े के प्राकृतिक रेशों को तोड़ते हैं। ऐसे में अंडरवियर कितनी तेजी से गलता है, उससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि मिट्टी में जैविक गतिविधि कितनी है। कपड़े के टूटने की गति पर इस बात का भी खास असर पड़ता है कि संबंधित भूमि का इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा है। शौचालय में तरल के उछलने की वजह भी बनी शोध का विषय भौतिकी के पुरस्कार में वैज्ञानिकों ने यह समझने की कोशिश की कि शौचालय में तरल किसी सतह से टकराने के बाद वापस क्यों उछलता है। इसके लिए किए गए प्रयोगों के आधार पर ऐसी डिजाइन सुझाई गई, जिससे सामान्य स्थिति की तुलना में छींटों को लगभग 1.4 प्रतिशत तक कम किया जा सके। प्रौद्योगिकी का पुरस्कार उस प्रयोग को मिला, जिसमें मच्छर की सूंड को 3-डी प्रिंटिंग के लिए बेहद बारीक नोजल के रूप में इस्तेमाल करने की संभावना पर काम किया गया। मच्छर की सूंड की बेहद महीन और जटिल संरचना ने वैज्ञानिकों को तकनीक के एक नए इस्तेमाल के बारे में सोचने का आधार दिया। अर्थशास्त्र का पुरस्कार उस शोध को मिला, जिसमें संपन्न लोगों के व्यवहार का अध्ययन किया गया।

# होर्मुज में फिर छिड़ेगी जंग: ईरान ने अमेरिकी विमानवाहक पोत पर मिसाइल हमले का किया दावा, यूएस ने क्या कहा

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने शनिवार को दावा किया कि उसने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक विध्वंसक पोत पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरान का आरोप है कि ये दोनों अमेरिकी युद्धपोत ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी में हिस्सा ले रहे थे। आईआरजीसी के मुताबिक, हमले के बाद दोनों युद्धपोतों को नुकसान हुआ और वे दोबारा हमले के डर से संघर्ष क्षेत्र से पीछे हट गए।

**होर्मुज में तनाव की असली वजह क्या है :** यह घटनाक्रम अमेरिकी और ईरानी जहाजों के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच सामने आया है। आईआरजीसी की नौसेना ने पहले दावा किया था कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से कथित तौर पर अनधिकृत मार्ग से गुजर रहे तीन तेल टैंकरों और दूसरे इलाकों में अमेरिका से जुड़े तीन जहाजों को निशाना बनाया। ईरान ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिका की ओर से तीन ईरानी तेल टैंकरों पर हमले के जवाब में की गई। ईरानी नौसेना ने अपने बयान में आसपास के जहाजों को चेतावनी दी कि वे कथित अनधिकृत जलमार्गों से गुजरने से बचें और किसी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में उन्हें निशाना बनाया जा सकता है।

**ईरान ने अमेरिका को क्या सीधी चेतावनी दी :** आईआरजीसी ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर ईरानी जहाजों के खिलाफ उसकी कथित आक्रामक कार्रवाई जारी रही तो उसे कड़ा जवाब मिलेगा। ईरान ने कहा कि उसके सशस्त्र बल आगे भी जवाबी कार्रवाई करेंगे। आईआरजीसी की ओर से यह भी कहा गया कि जहाजों को अमेरिकी सेना के बहकावे में नहीं आना चाहिए और होर्मुज जलडमरूमध्य में संदिग्ध या कथित अनधिकृत रास्तों से गुजरने से बचना चाहिए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम के अनुसार, पांच सितंबर को अमेरिकी बलों ने तीन ईरानी कच्चे तेल के टैंकरों पर हमला किया। यह कार्रवाई ईरान की ओर से क्षेत्रीय समुद्र में गश्त कर रहे दो अमेरिकी नौसैनिक जहाजों पर बैलिस्टिक मिसाइल हमलों के बाद की गई। सेंटकॉम ने कहा कि एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक निर्देशित मिसाइल विध्वंसक ने ईरान के कई हमलों से सफलतापूर्वक बचाव किया और किसी अमेरिकी कर्मी को नुकसान नहीं पहुंचा।

## ईरानी तेल टैंकर पर अमेरिकी हमला: धू-धू कर जलता रहा जहाज, सीईएनटीसीओएम ने जारी किया वीडियो; हेगसेथ ने दी खुली धमकी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी नौसेना के जहाजों पर हमला किया गया तो अमेरिका ईरान के तेल टैंकरों को नष्ट कर देगा और समुद्र में डुबो देगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी सेना ने तीन ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाने की जानकारी दी है और ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है।

**पीट हेगसेथ ने ईरान को क्या चेतावनी दी :** हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर के बयान को साझा करते हुए कहा कि अगर ईरान अमेरिकी जहाजों पर गोली चलाता है तो उसके तेल टैंकरों को नष्ट और डुबो दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान को सिर्फ अमेरिकी नौसेना पर हमला नहीं करना है। कूपर ने भी चेतावनी दी कि अगर ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दो अमेरिकी जहाजों पर हमला किया तो अमेरिकी सेना तीन ईरानी जहाजों को निशाना बनाएगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर ईरान के सीमित और खुले तेल बेड़े को नष्ट करने से अमेरिका पीछे नहीं हटेगा।

**अमेरिका ने ईरान के कितने तेल टैंकरों को निशाना बनाया :** अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, शनिवार को अमेरिकी सेना ने तीन ईरानी कच्चे तेल ले जाने वाले टैंकरों पर हमला किया। इनमें एक टैंकर खार्ग द्वीप के पास था, जो ईरान का प्रमुख तेल निर्यात केंद्र है। अमेरिकी सेना ने बताया कि इनमें भी शामिल था, जो ओमान की खाड़ी में डूब गया। सेंट्रल कमांड ने इसे पूरी तरह नष्ट किए जाने की जानकारी दी। दो अन्य टैंकरों को भी अमेरिकी सेना ने निष्क्रिय करने की बात कही है।

**अमेरिकी सेना ने टैंकर डुबोने का वीडियो क्यों जारी किया :** अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने हमले का वीडियो जारी किया है। वीडियो में टैंकर आग की लपटों में घिरा दिखाई दे रहा है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, चालक दल को पहले जहाज छोड़ने का निर्देश दिया गया था और इसके बाद जहाज को पूरी तरह निष्क्रिय कर दिया गया। अमेरिकी सैनिकों की कार्रवाई के बाद रूज़्च4द्यश ओमान की खाड़ी में डूब गया। अमेरिका के अनुसार, यह कार्रवाई ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की ओर से अमेरिकी नौसेना के दो जहाजों की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने के बाद की गई।

**ईरान ने अमेरिकी युद्धपोतों पर हमले को लेकर क्या दावा किया :** ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने एक अमेरिकी विमानवाहक पोत और एक गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया। हालांकि, इन दावों की अमेरिका की ओर से तत्काल पुष्टि नहीं हुई। ईरानी सेना ने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरानी जहाजों के खिलाफ कार्रवाई और नौसैनिक नाकाबंदी जारी रही तो अमेरिकी सैन्य जहाजों के खिलाफ उसके हमले पहले से ज्यादा गंभीर हो सकते हैं ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने दावा किया कि खर्ग के पास एक टैंकर पर चार अमेरिकी मिसाइलें दागी गईं।

# हैजा रोकने को मिला क्लोरीन: सूडान की सेना ने बना डाले 1,100 रासायनिक हथियार, गोपनीय डोजियर से खुलासा

**खार्तूम, एजेंसी।** तपते रेगिस्तान में चोरी-छिपे बम परीक्षण, हथियारों की सीक्रेट फैक्टरी के फर्श पर दम घुटने से मरे पड़े बिच्छू और कीड़े-मकोड़े, और जंग के बीच राजधानी खारतूम के वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से क्लोरीन के बड़े-बड़े सिलिंडरों की चोरी...गोपनीय डोजियर से सामने आई ऐसी कुछ जानकारियां सूडान सरकार के इन दावों को नकारने के लिए काफी है कि उसने गृह युद्ध के दौरान रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया।

**खुफिया रिपोर्ट में हुआ खुलासा :** सूडान में पिछले तीन साल से जारी खूनी गृहयुद्ध के बीच एक पश्चिम एशियाई खुफिया एजेंसी की ओर से जुटाए गए 150 से अधिक दस्तावेजों, वीडियो, तस्वीरों और हजारों इंटरसेप्टेड फोन कॉल्स से चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इससे पता चलता है कि सूडानी सेना ने अपने खिलाफ मोर्चा खोलने वाली रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) को पस्त करने के लिए 2024 में बड़े पैमाने पर क्लोरीन गैस आधारित रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल किया था। इस केमिकल प्रोजेक्ट की कमान ब्रिगेडियर जनरल तारिक हुसैन के हाथों में थी।

**पारंपरिक वॉरहेड के साथ क्लोरीन का उपयोग :** लीक ब्लूप्रिंट के अनुसार, पारंपरिक वॉरहेड के साथ 33 पाउंड क्लोरीन गैस का इस्तेमाल किया गया। योजना यह थी कि धमाके के छर्रों से दुश्मन घायल हो और बची-खुची जान जहरीली गैस ले लेगी। साथ ही धमाके के चलते मौके पर केमिकल के सबूत भी नष्ट हो जाएंगे।

**राहत एजेंसियों की मदद का किया दुरुपयोग :** राजधानी खारतूम पर जब आरएसएफ का कब्जा होने लगा, तो जुलाई 2024 में जनरल तारिक ने सेना को क्लोरीन बम बनाने का सुझाव दिया। सेना ने ओमडुरमैन स्थित अल-मनारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से बड़े पीले सिलिंडर जब्त किए। विडंबना यह है कि युद्धग्रस्त इलाकों में हैजा महामारी को रोकने और पानी साफ करने के लिए ये सिलिंडर यूनिसेफ, रेड क्रॉस और केयर जैसी अंतरराष्ट्रीय राहत एजेंसियों ने दान में दिए थे। अगस्त 2024 में जनरल हुसैन के भेजे एक संदेश से पता चलता है कि मिस्र से 20 क्लोरीन सिलिंडर मंगवाए गए थे, जो 1,100 रासायनिक बम बनाने के लिए पर्याप्त थे।

**सेना प्रमुख ने दिए सबूत मिटाने के निर्देश :** अमेरिकी प्रशासन ने कुछ सबूतों के आधार पर जनवरी 2025 से सूडानी सेना प्रमुख जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान पर कड़े प्रतिबंध लगाने शुरू किए थे। अब सामने आए डोजियर से साफ हुआ है कि जनरल बुरहान को इस पूरे प्रोजेक्ट की सीधी जानकारी थी और उन्होंने अमेरिकी खुलासे के बाद इसके सभी सबूत मिटाने के निर्देश दिए थे।

**दुश्मनों ने पी ली जहरीली गैस...सच कैसे सामने आया :** अक्तूबर 2024 तक मेरोवे एयरपोर्ट के बेस पर करीब 300 केमिकल बम तैयार करके रख दिए गए थे। 22 जुलाई 2024 को मेरोवे एयरपोर्ट से एंटोनोव विमान ने उड़ान भरी और रेगिस्तान में पहला सफल टेस्ट किया। लीक डोजियर से पता चलता है कि उसी समय जनरल हुसैन ने मैसेज भेजा था, परीक्षण 100% सफल रहा, बम निशाने पर गिरा और गैस फैल गई। सितंबर 2024 को अल-जैली तेल रिफाइनरी पर रासायनिक हमला किया गया। हुसैन के इंटरसेप्ट किए गए संदेश में लिखा था, उन्होंने गैस पी ली है। उस समय सोशल मीडिया पर विद्रोहियों को ऑक्सीजन मास्क पहने देखा गया था।

**सबूत मिटाने का खेल :** मई 2025 में जब अमेरिका ने रासायनिक हथियारों के संदेह पर सूडान पर प्रतिबंध लगाए, तो सेना प्रमुख जनरल बुरहान ने तुरंत जनरल हुसैन को मैसेज भेजकर सबूत मिटाने का फरमान सुनाया। जवाब मिला. ऑपरेशन एक महीने पहले ही पूरा कर दिया गया है। बाद में दुनिया की आंखों में धूल झोंकने के लिए बुरहान ने आरोपों की जांच के लिए एक आंतरिक कमेटी गठित की। इसका मुख्य सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल तारिक हुसैन को ही बना दिया गया।

# रिंकू की टीम ने भुवी की लखनऊ को 94 रनों से हराया

**नई दिल्ली।** रिंकू सिंह की अगुआई वाली मेरठ मेवरिक्स ने रविवार (6 सितंबर) को भुवनेश्वर कुमार की अगुआई वाली लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराकर यूपी टी20 लीग 2026 का खिताब जीता। मेरठ ने दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले 2024 में माधव कौशिक की कप्तानी में मेरठ ने पहले सत्र का खिताब जीता था। 2025 में भी टीम फाइनल खेली थी।

मेरठ मेवरिक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिव्यांश जोशी की शतक की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 203 रन बनाए। इसके जवाब में लखनऊ फॉल्कंस की टीम 16 ओवर में 109 रन पर आउट हो गई। मेरठ के लिए विशाल चौधरी ने 4 विकेट झटके। इस तरह मेरठ ने लखनऊ की टीम से क्वालिफायर-1 में हार का बदला भी ले लिया।

**अभिनंदन सिंह ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए-** स्वास्तिक चिकारा ने 14 गेंदों पर 18 रन बनाए, जबकि ऋतुराज शर्मा ने 17 गेंदों पर 24 रन बनाए। अक्षय दुबे ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। यश गर्ग 21 गेंदों पर 16 रन बनाकर नॉट आउट रहे। लखनऊ फाल्कंस के लिए अभिनंदन सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने चार ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, विप्रज निगम और अजीत वर्मा ने एक-एक विकेट लिया।

### दिव्यांश जोशी ने 40 गेंद पर ठोके 105 रन

मेरठ मेवरिक्स के लिए दिव्यांश जोशी ने सिर्फ 40 गेंदों पर 12 चौकों और 7 छक्कों की मदद से जबरदस्त 105 रनों की पारी खेली। उनकी जबरदस्त पारी 262.5 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई, जिसने मेवरिक्स को 200 के स्कोर के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मेरठ ने पूरी पारी में 10.2 रन प्रति ओवर के रनरेट से रन बनाए रखा। इससे लखनऊ फाल्कंस के सामने मुश्किल लक्ष्य रखा।

## भारत को 2021 में हराने के बाद शुरू हुई बर्बादी

### पाकिस्तानी टीम की बदहाली पर बोले मोहम्मद यूसुफ

**नई दिल्ली।** मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बदहाली का कारण 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली जीत को बताया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पांच साल पहले भारत के खिलाफ मिली 10 विकेट की जीत का पाकिस्तान टीम पर बुरा असर पड़ा। खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। हर कोई पाकिस्तान का कप्तान बनने के बारे में सोचने लगा। मोहम्मद यूसुफ ने समा टीवी पर कहा, '2021 में भारत के खिलाफ जो मैच हमने जीता, उससे हमें बहुत नुकसान हुआ। क्योंकि उस जीत के बाद खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें आगे क्या करना है। जब आप अच्छा परफॉर्म कर रहे हों, तो आपको विनम्र रहना चाहिए।

## टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

### 2024 में दो सुपर ओवर से निकला था नतीजा

**नई दिल्ली ।** भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान का रिकॉर्ड भी पिछले कुछ समय में इस फॉर्मेट में कमाल का रहा है। हालांकि, टी20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 8 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। यानी अफगानिस्तान को क्रिकेट के सबसे

छोटे फॉर्मेट में भारत के खिलाफ अब तक जीत नसीब नहीं हो सकी है। साल 2024 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया टी20 इंटरनेशनल मुकाबला टाई जरूर रहा था। इस मैच का नतीजा दो सुपर ओवर खेले जाने के बाद निकला था, जहां टीम इंडिया आखिर में बाजी मारने में सफल रही थी। टी20 में भारत और अफगानिस्तान की आखिरी भिड़ंत विश्व कप 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की थी। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है।

### अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में इन भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

**नई दिल्ली ।** भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आइए आपको उन भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी।

**वैभव सूर्यवंशी:** इंग्लैंड और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज के प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ किस अप्रोच से खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में वैभव ने 81 रनों की दमदार पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में भी अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं।

**जसप्रीत बुमराह:** अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर हर किसी की नजरें रहेंगी। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बुमराह अगर अपनी लय में नजर आए, तो वो अफगानिस्तान के बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

**संजू सैमसन:** इंग्लैंड के खिलाफ फ्लॉप शो के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई है। ऐसे में संजू के ऊपर इस सीरीज में खुद को फिर से साबित करने का दबाव होगा। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में सैमसन सिर्फ 5 रन ही बना सके थे। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ वह दो मुकाबलों में 28 रन ही बना सके थे।

**रवि बिश्नोई:** जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में रवि बिश्नोई का प्रदर्शन दमदार रहा था। विकेट चटकाने के साथ-साथ बिश्नोई काफी किफायती भी रहे थे। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर बिश्नोई के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें होंगी। बिश्नोई इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

**नीतीश कुमार रेड्डी:** अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतीश कुमार रेड्डी के पास खुद को बतौर ऑलराउंडर साबित करने का बढ़िया मौका होगा। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि नीतीश इंजरी से लौटने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

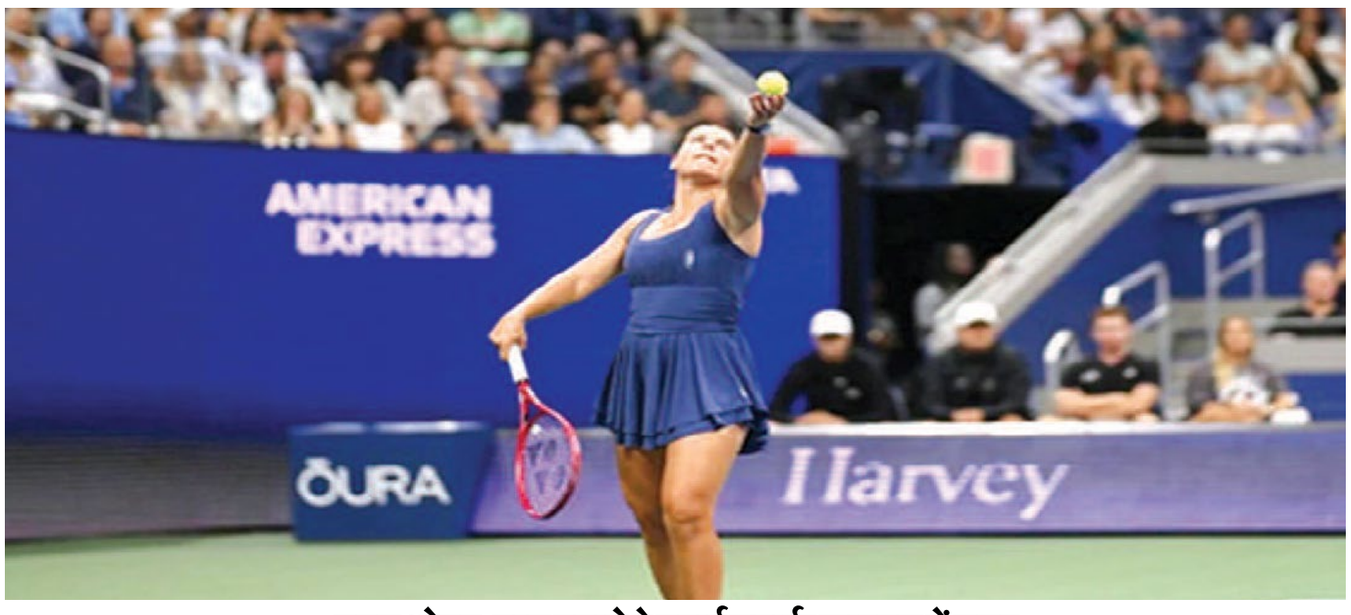

### यूएस ओपन: एम्स नवारो ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

# कलिनस्काया को सीधे सेटों में दी मात

**न्यूयॉर्क ।** अमेरिका की एम्मा नवारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में एना कलिनस्काया को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। नवारो ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और कलिनस्काया को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहले सेट को 6-4 से जीतने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में और आक्रामक खेल दिखाया और 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। 25वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब वह फ्लशिंग मीडोज में 2024 वाले अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेंगी, जब वह पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। नवारो ने पहला सेट जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बनाई। एना कलिनस्काया ने एक बार सर्विस ब्रेक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वह मैच का रुख नहीं बदल सकीं। इसके बाद नवारो ने आठवें गेम में फिर से कलिनस्काया की सर्विस तोड़ी और सिर्फ 1 घंटा 21 मिनट में 6-4, 6-2 से मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। खास बात यह रही कि कलिनस्काया इससे पहले नवारो के खिलाफ दोनों मुकाबले जीत चुकी थीं, लेकिन इस बार अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हिसाब बराबर कर दिया। यह नवारो के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। इससे पहले वह विंबलडन 2024, यूएस ओपन 2024 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुकी हैं।

इस जीत के बाद एम्मा नवारो का अगला मुकाबला उनकी हमवतन खिलाड़ी और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला का रिकॉर्ड नवारो के खिलाफ काफी मजबूत रहा है। दोनों के बीच अब तक चार मैच हुए हैं और पेगुला ने सभी में जीत हासिल की है। दोनों की सबसे हालिया भिड़ंत पिछले महीने सिनसिनाटी टूर्नामेंट में हुई थी, जहां पेगुला ने नवारो को 7-5, 6-2 से हराया था। ऐसे में

## सितसिपास को हराकर शेल्टन ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

**न्यूयॉर्क ।** अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन शानदार फॉर्म में हैं और उनका यूएस ओपन अभियान सही समय पर रफ्तार पकड़ चुका है। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने चौथे दौर के मुकाबले में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और सितसिपास को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और तीनों सेट आसानी से जीते। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन का सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा। बेन शेल्टन के लिए यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। टैलन ग्रीकस्पूर, ह्यूबर्ट हरकाज और डेनिस शापोवालोव के खिलाफ उन्हें जीत के लिए चार-चार सेट खेलने पड़े। हालांकि, चौथे दौर में शेल्टन ने अपना सबसे बेहतरीन खेल दिखाया। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने स्टेफानोस सिटसिपास को कोई मौका नहीं दिया और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। शेल्टन ने सिर्फ 1 घंटा 51 मिनट में जीत हासिल की। बेन शेल्टन ने यूएस ओपन में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह अपने करियर में छठी बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। वहीं, यूएस ओपन में यह दूसरी बार है जब उन्होंने अंतिम आठ में जगह बनाई है। शेल्टन ने 2023 में भी यूएस ओपन में शानदार प्रदर्शन किया था। उस समय वह टूर्नामेंट में सिर्फ दूसरी बार खेल रहे थे, लेकिन सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रहे थे। हाल के महीनों में भी शेल्टन का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। विंबलडन के बाद शुरू हुए नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट सीजन में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 12-2 का रहा है, जो उनकी शानदार फॉर्म को दिखाता है। इसी दौरान उन्होंने मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब भी जीता। इसके अलावा, शेल्टन लगातार मजबूत खिलाड़ियों को हराते हुए आगे बढ़ रहे हैं। स्टेफानोस सितसिपास को हराने से पहले भी उन्होंने ऐसे खिलाड़ियों को मात दी, जो कभी एटीपी रैंकिंग के टॉप-10 में रह चुके हैं। स्टेफानोस सिटसिपास भी इस मुकाबले में अच्छे आत्मविश्वास के साथ उतरे थे। उन्होंने यूएस ओपन में मजबूत खिलाड़ियों को हराकर चौथे दौर तक का सफर तय किया था।

दलीप ट्रॉफी

## ईशान किशन ने रचा इतिहास

### 250 रनों की यादगार पारी खेलकर लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

**चेन्नई ।** दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। खिताबी मुकाबले के दूसरे दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 250 रनों की यादगार पारी खेलकर इतिहास रच दिया है। ईशान ने अपना दोहरा शतक 270 गेंदों में पूरा किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने रिटायर्ड हर्ट होकर ड्रेसिंग रूम लौटने से पहले 301 गेंदों

का सामना करते हुए 250 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान ईस्ट जोन के कप्तान ने 27 चौके लगाए, जबकि 7 छक्के उनके बल्ले से निकले। ईशान अरुण लाल और सबा करीम के बाद ईस्ट जोन की तरफ से दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। हालांकि, ईशान दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में शतक लगाने वाले ईस्ट जोन के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान से पहले खिताबी मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड ऋद्धिमान साहा के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2012 के फाइनल में 170 रन बनाए थे। ईशान ओवरऑल दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में 200 या उससे ज्यादा रनों की पारी खेलने वाले सातवें बल्लेबाज बन हैं।

इसके साथ ही बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज वह दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बने हैं।

## मोहम्मद शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद मत करो

### पूर्व भारतीय बॉलिंग कोच ने सेलेक्टर्स और हेड कोच से लगाई गुहार

**नई दिल्ली।** टीम इंडिया के पूर्व बॉलिंग कोच भरत अरुण ने चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर से मोहम्मद शमी के लिए भारतीय टीम के दरवाजे खुले रखने की अपील की है। अरुण का कहना है कि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद सेलेक्टर्स ने इस अनुभवी तेज गेंदबाज को बहुत जल्दी नजरअंदाज कर दिया। शमी ने में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद से टीम इंडिया के लिए कोई मैच नहीं खेला है। जहां प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और गुरनूर बरार जैसे युवा तेज गेंदबाज सभी प्रारूप में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं वहीं शमी घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लगातार प्रभावित कर रहे हैं और अभी अपना 100वां फर्स्ट-क्लास मैच खेल रहे हैं।

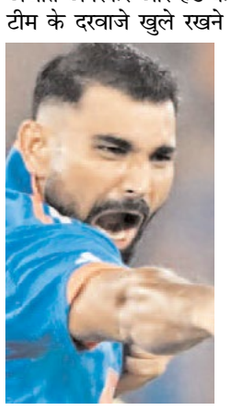

### शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद नहीं करनी चाहिए

भरत अरुण ने नेशनल टीम में मोहम्मद शमी की वापसी का समर्थन किया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए अरुण ने कहा कि जब तक शमी अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं तब तक उम्र उनके सिलेक्शन में रुकावट नहीं बननी चाहिए। अरुण ने कहा कि उन्हें शमी के लिए दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए थे।

# सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीता चीन मास्टर्स खिताब

**नई दिल्ली।** सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने रविवार (6 सितंबर) को शानदार वापसी करते हुए तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया। वर्ष 2023 और 2025 के चरणों में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी यहां अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। इस भारतीय जोड़ी ने एक घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में हे और रेन की दुनिया की पूर्व चौथे नंबर की जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। सात्विक ने क्या कहा करियर की 10वीं बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर जीत दर्ज करने के बाद सात्विक ने कहा, 'यहां खेलना हमेशा अच्छा रहा है।

### आज हमारी रणनीति काम कर गई

सात्विक ने कहा, 'इस बार भी हम चोट से वापसी के बाद यहां आए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट हमारे लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा है। मुझे लगता है कि इस पूरे सप्ताह की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही। पहले दौर को छोड़ दें तो हमने लगभग हर मुकाबला तीन गेम में खेला है। हम यहां आने से पहले ही अपनी रणनीति तैयार करके आए थे। हम उसे लागू करना चाहते थे। अगर वह काम करता तो बहुत अच्छा और अगर नहीं करता तो हम वापस जाकर फिर से उस पर काम करते। मुझे लगता है कि आज हमारी रणनीति काम कर गई। हमने आखिरकार उस सिलसिले को तोड़ दिया और 2026 में अपना दूसरा खिताब जीता। इस जीत से बहुत खुश हूं।'

# मैंने हमेशा खुद को आगे बढ़ाने में विश्वास किया है

**अभिनेत्री अविका गौर ने 'खतरों के खिलाड़ी 15' से अपने एलिमिनेशन के बाद पहली बार अपने अनुभव और भावनाओं के बारे में खुलकर बात की है। शो से इतनी जल्दी बाहर होना उनके लिए आसान नहीं रहा। अविका ने कहा कि एलिमिनेशन के बाद जब वह घर बैठकर शो देखती हैं, तो उनके मन में बार-बार यही ख्याल आता है कि अगर वह उस वक्त वहां होतीं, तो शायद और बेहतर कर सकती थीं। हालांकि, बाद में उन्हें यह भी एहसास होता है कि टीवी पर बैठकर किसी स्टंट को देखना और खुद उस डर, दबाव और एड्रेनालिन के बीच उसे करना बिल्कुल अलग बात है।**

अविका गौर ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर किया और बताया कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनकी जिंदगी और खुद को देखने के नजरिए पर काफी असर डाला है। उन्होंने लिखा, ''मैंने 'खतरों के खिलाड़ी' देखने के बाद अपने बारे में एक बात महसूस की है। मैं खुद को यह सोचते हुए पाती हूं कि अगर मैं वहां होती, तो मैंने हार नहीं मानी होती। मैं और ज्यादा कोशिश करती। मैं बेहतर करती।''

अविका ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, ''शो को आराम से सोफे पर बैठकर देखने के दौरान मुझे ऐसा लगने लगता है, जैसे मैं 'खतरों के खिलाड़ी' की एक्सपर्ट बन गई हूं। लेकिन फिर याद आता है कि मैं अपनी जिंदगी के आरामदायक माहौल में बैठकर शो देख रही हूं। मुझे न तो उस समय का दबाव महसूस हो रहा है और न ही उस स्टंट को करने का डर। बाहर बैठकर किसी स्थिति का हीरो बनना बहुत आसान है। जब कोई चीज हमारे लिए बहुत मायने रखती है, तो हम उसे बार-बार अपने दिमाग में दोहराते हैं, अलग-अलग फैसलों की कल्पना करते हैं और कहानी का एक ऐसा वर्जन बना लेते हैं, जो कभी हुआ ही नहीं।'

अविका ने कहा, ''शायद इसी वजह से इतनी जल्दी एलिमिनेट होना मेरे लिए पूरी तरह छोड़ पाना मुश्किल रहा है। मेरे अंदर कहीं न कहीं अभी भी वह लड़की है, जो सोचती है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ था। शायद सच में था भी। लेकिन मुझे यह भी समझना होगा कि इस सोच में लगातार जीते रहना सही नहीं है। यह मानना अलग बात है कि आपके पास और बेहतर करने की क्षमता थी और हर वक्त उस दुनिया में रहना अलग।''

उन्होंने कहा, ''जब मैंने पहली बार शो किया था, तब मैं सिर्फ 21 साल की थीं। उस समय शो ने मुझे खुद को और अपने भविष्य को एक अलग नजरिए से देखने में मदद की थी। मैं डर का सामना करने और स्टंट करने के इरादे से शो में गई थीं, लेकिन वहां से निकलने के बाद मुझे खुद के बारे में बहुत कुछ नया समझ आया।''

## मैंने हमेशा मेहनत कर, खुद को आगे बढ़ाया

मैंने हमेशा मेहनत करने, तैयारी करने, खुद को आगे बढ़ाने और अपनी पसंद की जिंदगी बनाने में विश्वास किया है। इसलिए ऐसी चीज को स्वीकार करना, जो पूरी तरह मेरे नियंत्रण से बाहर हो, मेरे लिए मुश्किल और सच कहूं तो दिल तोड़ने वाला रहा है।' उन्होंने आगे कहा, ''कई बार इंसान किसी चीज के लिए अपना सब कुछ दे देता है, फिर भी नतीजा वैसा नहीं मिलता जैसा उसने सोचा था। शायद क्लोजर का मतलब यह तय करना नहीं है कि आप शो में बने रहने के लायक थे या आप बेहतर कर सकते थे। असली क्लोजर यह स्वीकार करना है कि कहानी उस तरह खत्म नहीं हुई, जिस तरह हमने अपने दिमाग में लिखी थी।''

## अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक 'नकाब' में नवाजुद्दीन के साथ स्टेज शेयर किया

अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने थिएटर नाटक 'नकाब' में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्टेज शेयर किया है। अभिनेत्री ने बातचीत में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि वे अपने काम में हर बार कुछ नयापन जरूर लेकर आते हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'नवाजुद्दीन उम्दा किस्म के कलाकार हैं, उनके काम में आपको एक नयापन देखने को मिलेगा। वह जो भी करते हैं, उसमें कुछ नया और अलग लेकर आते हैं।' अभिनेत्री ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपना शिकागो का अनुभव शेयर करते हुए बताया, 'शिकागो में हम शो कर रहे थे और उसी समय थिएटर में कुछ तकनीकी समस्या हो गई थी, जिसके बाद नवाज का माइक काम नहीं कर रहा था और उससे आवाज नहीं आ रही थी, जिसके दर्शक चिल्लाने लगे कि उन्हें आवाज सुनाई नहीं दे रही है। जब आप लाइव परफॉर्म कर रहे हों और दर्शक चिल्ला रहे हों कि आवाज नहीं आ रही, तो बहुत ज्यादा ध्यान भटकता है। नवाज को अपनी आवाज तेज करनी पड़ी और जोर से बोलना पड़ा। एक एक्टर एक हद तक ही तेज आवाज में बोल सकता है, इसलिए हमने भी उनका साथ दिया और अपनी आवाज को उसी हिसाब से एडजस्ट किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'आखिर में उन्हें अपना माइक ठीक करवाने के लिए बैकस्टेज जाना पड़ा। चूंकि यह उनका पहला थिएटर एक्सपीरियंस था और मैं कई सालों से थिएटर कर रही थी, इसलिए मुझे लगा कि उस वक्त मुझे जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मैंने थोड़ा इम्प्रोवाइज किया और हमने उस टेक्निकल खराबी और छोटे से ब्रेक को संभाल लिया, फिर शो आगे बढ़ाया। अभिनेत्री ने आगे कहा कि स्क्रीन और थिएटर में बड़ा फर्क है कि थिएटर में आपको सब कुछ उसी वक्त संभालना पड़ता है और स्क्रीन पर रीटेक हो जाता है। उन्होंने कहा, 'आपको टेक्निकल प्रॉब्लम, ऑडियंस और परफॉर्मेंस को बिना यह दिखाए मैनेज करना होता है कि कुछ गड़बड़ हुई है। मुझे लगता है कि उनसे मेरी सबसे बड़ी सीख यही थी।'

# 'हीरो की हॉररइन' में नितांशी के साथ नजर आएंगे यशवर्धन

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। यशवर्धन की पहली फिल्म का नाम 'हीरो की हॉररइन' है। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म होगी, जिसे एकता कपूर और अमर बुटाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन साजिद खान करेंगे। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि यशवर्धन के साथ उनकी मां और गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा भी नजर आएंगी। फिल्म में यशवर्धन की जोड़ी 'लापता लेडीज' फेम एक्ट्रेस नितांशी गोयल के साथ बनाई गई है। नितांशी को आमिर खान की फिल्म 'लापता लेडीज' से खास पहचान मिली थी। 'हीरो की हॉररइन' में उनके और यशवर्धन के बीच रोमांस के साथ-साथ कॉमेडी और हॉरर का तड़का देखने को मिलेगा। मेकर्स ने फिल्म को ऐसे अंदाज में तैयार किया है, जिसमें डर के साथ हंसी और रोमांस भी कहानी का हिस्सा होंगे। यशवर्धन और नितांशी की जोड़ी भी फिल्म की खासियतों में से एक है। दोनों पहली बार बड़े परदे पर साथ दिखाई देंगे। फिल्म में सिर्फ यशवर्धन और नितांशी ही नहीं, बल्कि कई जाने-पहचाने कलाकार भी नजर आएंगे। जिनमें जेमी लीवर, चंकी पांडे, बृजेंद्र काला और सिमरत कौर रंधावा जैसे कलाकार शामिल हैं।

# 27 नवंबर को रिलीज होगी इमरान की 'गनमास्टर जी9'

फिल्म 'आवारापन 2' के बाद इमरान हाशमी की अगली फिल्म का ऐलान हो गया है। वह अब 'गनमास्टर जी9' में नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज डेट भी लॉक कर दी गई है। यह फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में 27 नवंबर 2026 को रिलीज होगी। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट के लिए इमरान, निर्देशक आदित्य दत्त और संगीतकार हिमेश रेशमिया करीब दो दशक बाद फिर साथ आए हैं। इमरान के लिए 'गनमास्टर जी9' इसलिए भी खास है क्योंकि यह 'आवारापन 2' के बाद उनकी अगली बड़ी रिलीज होगी। 'आवारापन' फ्रेंचाइज से गंभीर किरदार में दिखने के बाद अब एक्शन जॉनर में दिखाई देंगे। फिल्म में इमरान के साथ जेनेलिया और अपारशक्ति भी नजर आएंगे 'गनमास्टर जी9' में इमरान के साथ जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना भी हैं। इसका निर्माण दीपक मुकुट, संगीता अहीर और हुनर मुकुट ने किया है। इसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड प्रस्तुत कर रहा है। सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और हिमेश रेशमिया इससे पहले 'सनम तेरी कसम' और 'जीनियस' जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए साथ काम कर चुके हैं। 'गनमास्टर जी9' के साथ यह सहयोग एक बार फिर बड़े परदे पर देखने को मिलेगा।

# तृषा की अगली फिल्म में साथ होंगी राधिका सरतकुमार

तृषा कृष्णन, राधिका सरतकुमार और अपर्णा बालमुरली लंदन में एक नई साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म की शूटिंग में जुट गई हैं। जानिए फिल्म की कहानी और रिलीज डेट को लेकर पूरी जानकारी। फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसकी कहानी पूरी तरह महिलाओं के इर्द-गिर्द होगी। इसमें तृषा, राधिका और अपर्णा अलग-अलग पीढ़ियों की तीन शानदार एक्ट्रेसेस के तौर पर नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग लंदन में हो रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म में सिर्फ डर और हॉरर दिखाने के बजाय साइकोलॉजिकल टेंशन, रहस्य और माहौल पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के जरिए डायरेक्टर राजा कृष्ण मेनन तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। राजा कृष्ण मेनन इससे पहले 'एयरलिफ्ट', 'शेफ' और 'पिप्पा' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। इस फिल्म के साथ वह एक बिल्कुल नए जॉनर में कदम रख रहे हैं। यह उनकी पहली तमिल फिल्म होने के साथ-साथ पहली साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म भी है।

# ..अब महिला कलाकारों की बात सिर्फ सहानुभूति के लिए नहीं सुनी जाती

मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' 18 सितंबर को रिलीज होनी है। इसी फिल्म को लेकर हुई बातचीत के दौरान मेघना ने दीपिका पादुकोण के आठ घंटे की शिफ्ट वाले मामले पर भी अपनी राय दी। हाल ही में दीपिका की फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़े एक विवाद में यह भी दावा किया गया कि अभिनेत्री ने मेकर्स से 10 फीसदी प्रॉफिट शेयर मांगा है। अब इस पूरे मामले पर इंटरव्यू में मेघना ने अपनी प्रतिक्रिया दी। खास बातचीत में मेघना ने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद वह अपनी जिंदगी के ऐसे दौर में हैं, जब उन्हें लगा कि उन्हें ऐसा करना चाहिए। जब हमने उनके साथ काम किया था, तब हमारे बीच ऐसा कुछ नहीं था। तो शायद यह उनकी जिंदगी का एक अलग समय है।' मेघना ने आगे कहा, 'वह मां हैं, उनका एक बच्चा है और अब वह अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। आप किसी से सिर्फ इसलिए कुछ नहीं छीन सकते कि वह अपनी किसी जरूरत के बारे में बात कर रही है। उसकी जिंदगी की परिस्थितियां बदलती रहती हैं और आपको इसे समझना होगा।' मेघना के मुताबिक, अगर किसी कलाकार की शर्तें किसी प्रोजेक्ट के लिए संभव नहीं हैं, तो दोनों पक्ष अपने-अपने फैसले ले सकते हैं। महिला कलाकारों को लेकर इंडस्ट्री में आए बदलाव पर मेघना कहती हैं, 'पिछले कुछ साल में मैंने महिला कलाकारों में यह बदलाव देखा है कि अब उनकी बात सिर्फ सहानुभूति के लिए नहीं सुनी जाती। पहले 'बेचारी' कहकर उनकी बात सुन ली जाती थी। अब ऐसा कम होता है। यह बहुत बड़ा बदलाव है। अब उनकी बात बराबरी के नजरिए से सुनी जाती है।'

# '3 इडियट्स' के सीक्वल पर राजकुमार हिरानी ने दी बड़ी अपडेट

'3 इडियट्स' बॉलीवुड की सबसे ज्यादा मशहूर फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के रिलीज होने के लगभग दो दशक बाद निर्देशक राजकुमार हिरानी ने इसके संभावित सीक्वल के बारे में एक बड़ी जानकारी दी है। हिरानी ने कंफर्म किया कि वह और उनकी राइटिंग टीम एक ऐसी कहानी पर काम कर रहे हैं, जो किरदारों को वापस ला सकती है। '3 इडियट्स' में आमिर खान, आर माधवन और शरमन जोशी ने काम किया था।

## 3 इडियट्स को लेकर बोले हिरानी?

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम चल रहा है लेकिन फिल्ममेकर इसकी डिटेल्स बताने की जल्दी में नहीं हैं। राजकुमार हिरानी ने एएनआई से कहा 'हम इस पर काम कर रहे हैं। जब प्रोजेक्ट सही स्टेज पर होगा, तब टीम इस पर चर्चा करेगी।' उन्होंने यह भी कन्फर्म किया कि कास्ट वही रहेगी, जिससे यह संकेत मिलता है कि आमिर खान, आर. माधवन और शरमन जोशी इसमें वापसी करेंगे। हिरानी ने साफ किया कि प्रोजेक्ट अभी भी राइटिंग स्टेज में है और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह कभी बनेगा भी या नहीं। उन्होंने कहा 'हम तभी आगे बढ़ेंगे जब राइटिंग सही से हो जाएगी। हम इसे तभी बनाएंगे जब सब कुछ ठीक से हो जाएगा, वरना नहीं बनाएंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया है। अगर हम उसके लेवल तक नहीं पहुंच पाए, तो कोई फायदा नहीं है।'

## कहानी पर नहीं आई कोई जानकारी

हिरानी ने कन्फर्म किया कि 'कास्टिंग वही रहेगी', जिससे ओरिजिनल एक्टर्स की वापसी को लेकर अटकलें तेज हो सकती हैं। हालांकि फिल्ममेकर ने अभी तक पूरी कास्ट की घोषणा नहीं की है और न ही किरदारों की कहानी के बारे में कोई जानकारी दी है।

## भाजपा पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ में की गई संगठनात्मक नियुक्तियां: दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल ने सौंपा नियुक्ति पत्र

■ संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक के रूप में कैलाश शर्मा की हुई नियुक्ति

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया से विचार-विमर्श एवं उनके निर्देशानुसार प्रदेश भाजपा के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ में संगठनात्मक नियुक्तियां की गई हैं। इस अवसर पर आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल ने पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर कैलाश शर्मा को प्रदेश भाजपा के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही प्रदेश पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ में सुरेन्द्र सिंह, आर. सिंहएवं एस. के. सिंह को सह-संयोजक, टी. एन. जाड को कोषाध्यक्ष, टलोचन सिंह, बी. गुत्रा सेलन, करण सिंह, विनय कुमार, रंजीत सिंह, गजुभाई, परवेजभाई, रमेशचंद एवं थॉमस जी को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों से जुड़े विषयों को प्रभावी रूप से संगठन एवं प्रशासन के समक्ष रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों के उज्जवल कार्यकाल की कामना की है।

## वलसाड एसओजी को मिली बड़ी कामयाबी: गांजा के जत्थे के साथ 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी, 7 सितंबर। गुजरात पुलिस की वलसाड स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 9.961 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया है, जिसकी बाजार में कीमत 4,98,050 रुपये आंकी गई है। इस मामले में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले चार आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस सुत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पूरी कार्रवाई सूरत विभाग के पुलिस महानिरीक्षक प्रेम वीर सिंह और वलसाड जिला पुलिस अधीक्षक युवराजसिंह जाडेजा के सीधे मार्गदर्शन में अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री, भंडारण और सेवन के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत की गई है। वलसाड एसओजी के पुलिस इंस्पेक्टर डी.डी. परमार और सब-इंस्पेक्टर वाई.पी. हडीया के नेतृत्व में पुलिस टीम भिलाड थाना क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुंबई से अहमदाबाद रोड राष्ट्रीय राजमार्ग सं-48 पर स्थित वलसाड जिला के उमरगाम के तलवाड़ा ओवरब्रिज के दक्षिणी छोर के पास वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान संदिग्ध पाए गए चार युवकों की तलाशी लेने पर उनके पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों में मोहम्मद मोमिन उर्फ रेहान (उम्र 29 वर्ष) निवासी सांईकृपा अपार्टमेंट, रूम नं. 8 नरोली रोड, दादरा नगर हवेली एवं मूल निवासी बिजनौर, उत्तर प्रदेश, राहुलसिंह जगतसिंह (उम्र 26 वर्ष) हाल निवासी दादरा (रोहितवास), सिलवासा, मूल निवासी ग्राम मजौहली, जबलपुर-मध्य प्रदेश, खुश्नूर आलम इशराफील शाह (उम्र 27 वर्ष) हाल निवासी नानी तंबाड़ी (संतोष पटेल की चाल), वापी, वलसाड, मूल निवासी ग्राम एवं पोस्ट शाहपुर, भोजपुर, बिहार और संदीपकुमार मुन्नूलाल गौतम (उम्र 26 वर्ष) हाल निवासी साईं कृपा अपार्टमेंट, नरोली रोड, सिलवासा, मूल ग्राम कसधना, पोस्ट जीगना, निवासी मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश सामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 5,83,050 रूपये का सामान जब्त किया है, जिसमें 9.961 किलोग्राम (कीमतः 4,98,050 रूपये) गांजा, 5 मोबाइल (कीमतः 85,000 रूपये) सहित पार्सल के 5 खाली रैपर और गांजा ले जाने के लिए इस्तेमाल किए गए 4 थैले/बैग जैसे अन्य सामग्री शामिल है। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 8(सी), 20(बी)(II)(बी) और 29 के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस सफल ऑपरेशन को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में पुलिस इंस्पेक्टर डी. डी. परमार, पुलिस सब-इनस्पेक्टर वाय. पी. हडीया, असिस्टेंट सब-इस्पेक्टर विक्रम मनु, असिस्टेंट सब-इस्पेक्टर भावेशकुमार मगन, असिस्टेंट सब-इस्पेक्टर सैयद बाबन, हेड कांस्टेबल दीपकसिंह बापुसिंह, हेड कांस्टेबल हसमुख गीगा, हेड कांस्टेबल दिग्विजयसिंह विक्रमसिंह, हेड कांस्टेबल मोहम्मदसफी सुलेमान, हेड कांस्टेबल नीतीन मनजी, हेड कांस्टेबल किरीटसिंह धरमशी, हेड कांस्टेबल महेन्द्रदान जीलूभा, पुलिस कांस्टेबल वरुण हरिशचंद्र, ड्राइवर असिस्टेंट सब-इस्पेक्टर सुनीलकुमार सुरेशचंद्र और ड्राइवर हेड कांस्टेबल रमेश भगु शामिल रहे, जिन्होंने आपसी तालमेल (टीमवर्क) से इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

## दीव के घोघला तपेश्वर महादेव मंदिर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 7 सितंबर। दीव के घोघला में स्थित तपेश्वर महादेव मंदिर में पवित्र श्रावण मास के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में श्रावण मास के अंतिम सोमवार और एकादशी के पवित्र अवसर पर तपेश्वर महादेव को 56 भोग का अन्नकूट चढ़ाया गया। इस अवसर पर भजन-कीर्तन, स्तुति और महाआरती सहित कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। भक्तिमय माहौल के बीच बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे, जिन्होंने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर दर्शन का लाभ उठाया। बम बम भोले और हर हर महादेव के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर शिवमय हो गया। इस धार्मिक आयोजन में शास्त्री विक्रम पंड्या सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

## राजभाषा विभाग सिलवासा ने हिन्दी पखवाड़ा के तहत हिन्दी देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 07 सितंबर। हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार, राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के राजभाषा विभाग सिलवासा द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शिव प्रकाश मेमोरियल स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् से हुआ। इस कार्यक्रम में डॉ. अनिता कुमार द्वारा स्वागत अभिभाषण प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि दिनेश कुमार मोहाल, निवासी उप समाहर्ता (खानवेल) का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायकगण के रूप में गोविंद बारोट, अनिता विनोद एवं अंजू कुलश्रेष्ठ उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. अनिल कौशिक, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने अपने संबोधन में हिन्दी भाषा के महत्व तथा देशभक्ति गीतों के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर निर्णायक गोविंद बारोट ने अपने संबोधन में सभी प्रतियोगियों को शुभकामनाएं दी। अध्यक्षीय संबोधन में दिनेश कुमार मोहाल, निवासी उप समाहर्ता (खानवेल) ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि भाषा संस्कृति की मूल्यवान धरोहर है जैसे हम अपनी संस्कृति को जीवित रखते हैं ऐसे ही अपनी मातृ भाषा को भी जीवित रखना चाहिए। उन्होंने हिन्दी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग तथा भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने पर बल देते हुए सभी को शुभकामनाएं दी। इसके पश्चात हिन्दी देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारी वर्ग, उच्चतर माध्यमिक वर्ग, स्नातक वर्ग तथा कर्मचारी वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत हिन्दी गीतों की प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रोताओं में राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय एकता की भावना का संचार किया। प्रतियोगिता के दौरान सभागार में देशभक्ति एवं उत्साह का वातावरण बना रहा। प्रतियोगिता के उपरांत निर्णायकगण ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करते हुए उनके गायन, स्वर, लय, भावाभिव्यक्ति तथा प्रस्तुति के विभिन्न पक्षों के आधार पर निर्णय दिया। इसके पश्चात डॉ. अनिल कौशिक, सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए तथा विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी गई। इसके पश्चात निर्णायकगण को राजभाषा विभाग की ओर से स्मृति भेंट प्रदान की गई। डॉ. अनिता कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी अतिथियों, निर्णायकगण, प्रतिभागियों, विद्यार्थियों एवं आयोजन में सहयोग करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह आयोजन हिन्दी भाषा के प्रति सम्मान एवं उसके प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रतिभागियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने में सफल रहा।

## सिलवासा के नमो अस्पताल में किया गया 27 वर्षीय युवक की बड़ी नासिकीय गांठ का जटिल एंडोस्कोपिक ऑपरेशन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 07 सितंबर। सिलवासा के नमो अस्पताल में आज ईएनटी (कान, नाक एवं गला) विभाग के सर्जनों, एनेस्थीसिया विभाग तथा ऑपरेशन थिएटर के स्टाफ की संयुक्त एवं समन्वित टीम ने एक 27 वर्षीय युवक में मौजूद बड़ी एवं जटिल नासिकीय गांठ (Nasal Mass/Nasal Polyposis) का सफलतापूर्वक एंडोस्कोपिक ऑपरेशन किया। 27 वर्षीय पुरुष मरीज दोनों नथुनों से लगातार नाक बंद रहने, नाक में जकड़न तथा सांस लेने में कठिनाई की शिकायत के साथ नमो अस्पताल में उपचार के लिए आया था। मरीज में Obstructive Sleep Apnea (OSA) के लक्षण भी पाए गए थे। मौखिक गुहा की जांच के दौरान एक बड़ा पॉलीप दिखाई दिया, जो जीभ के आधार तक लटक रहा था, जिससे इस मामले की जटिलता का पता चलता है। CECT PNS जांच में बाएं मैक्सिलरी साइनस से नासिका गुहा तक फैला हुआ एक बड़ा सॉफ्ट-टिश्यू मास पाया गया, जो आगे Choana एवं Nasopharynx तक विस्तारित था। सीटी स्कैन में इस गांठ का आकार लगभग 9.5 × 4.5 × 7.4 सेमी पाया गया। ईएनटी सर्जन डॉ. सुनील निचलानी तथा डॉ. वैशालीबेन पटेल द्वारा मरीज की इतनी बड़ी और जटिल नासिकीय गांठ को एंडोस्कोपिक तकनीक के माध्यम से सफलतापूर्वक निकाला गया। नमो अस्पताल सिलवासा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

## आईटीआई सिलवासा में जेम्स ऑफ इंडिया जागरूकता बैठक आयोजित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 07 सितंबर। युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें अपनी रचनात्मक क्षमता एवं हुनर को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सिलवासा में विद्यार्थियों के लिए जेम्स ऑफ इंडिया अभियान के संबंध में जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान विद्यार्थियों को जेम्स ऑफ इंडिया पहल के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि यह अभियान युवाओं को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और विशिष्ट हुनर को सामने लाने का अवसर प्रदान करता है। इस पहल के माध्यम से युवा अपनी प्रतिभा को विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शित कर जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं एवं पुरस्कारों में भाग ले सकते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अभियान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया तथा उनसे अपनी रचनात्मक सोच, कौशल एवं छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाने का आह्वान किया गया। विद्यार्थियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया कि वे दादरा नगर हवेली की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय विरासत, स्थानीय प्रतिभाओं एवं यहां की अनूठी विशेषताओं से जुड़े हिडन जेम्स को अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से देश के सामने लाएं। दादरा नगर हवेली में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और जेम्स ऑफ इंडिया अभियान युवाओं को अपनी प्रतिभा को पहचान देने तथा उसे व्यापक मंच तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। विद्यार्थियों से आग्रह किया गया कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और अपनी प्रतिभा के साथ-साथ दादरा एवं नगर हवेली के अनदेखे एवं अनमोल जेम्स को भी देश के सामने प्रस्तुत करें। बैठक में उपस्थित विद्यार्थियों ने अभियान के प्रति उत्साह एवं रुचि व्यक्त की तथा अधिक से अधिक संख्या में इसमें भाग लेने की इच्छा जताई।

**JOINT ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION**
**(For the State of Goa and Union Territories)**
3rd and 4th Floor, Plot No, 55-56, Udyog Vihar, Phase-IV, Sector-18, Gurugram, Haryana-122015
Ph. No. 0124-4684705 E-mail: secy.jercuts@gov.in, Website: www.jercuts.gov.in

**PUBLIC NOTICE**

In exercise of the powers conferred under Section 181 of the Electricity act, 2003 and all other powers enabling it in this behalf, and after previous publication, the Joint Electricity Regulatory Commission (for the State of Goa and Union Territories) proposes to make Joint Electricity Regulatory Commission (Medical Facility) Regulations, 2026. The said draft Regulation is available on the website of the Commission i.e. www.jercuts.gov.in.

The comments/suggestions on the above said draft regulation may be forwarded to the Commission by post or by email addressed to the Secretary, Joint Electricity Regulatory Commission (for the State of Goa & Union Territories), 3rd & 4th Floor, Plot No. 55-56, Udyog Vihar, Phase- IV, sector- 18, Gurugram, Haryana 122015 (email: secy.jercuts@gov.in) within 30 days from the issuance of this notice.

Rajesh Dangi, Secretary (I/c)

CBC 34124/11/0017/2627

## सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खानवेल मराठी माध्यम में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 07 सितंबर। सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खानवेल मराठी माध्यम में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यालय के आचार्य एस. ए. डीगंनकर की अध्यक्षता में डॉ. राधाकृष्ण और माता सरस्वती की प्रतिमा पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में स्वागत गीत, स्वागत नृत्य के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का समावेश रहा। इस अवसर पर विद्यार्थी, शिक्षक, इनके मनोगत रहे। जिसमें माध्यमिक विभाग से योगेश देवरे एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से भरत सोनवने ने मार्गदर्शन किया। विद्यालय के आचार्य डीगंनकर ने विद्यार्थियों से कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य है। आप याद रखें आपकी क्षमता असीमित है। आप जो चाहे वह हासिल कर सकते हैं। हमारा काम केवल आपको रास्ता दिखाना है। लेकिन उस रास्ते पर चलना और इतिहास रचना आप का काम है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सब एक दिन अपने माता पिता अपने शिक्षकों और अपने देश का नाम जरूर रोशन करेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विद्यालय के सभी शिक्षकों ने मेहनत की।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)